मेट्रो Rays
आगे रखने का वादा
सांध्य दैनिक

रांची, मंगलवार, 23 जून 2026

संवत 2083, शुद्ध ज्येष्ठ शुक्ल 8 मूल्य-3 रुपये

वर्ष-9, अंक 279, पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 ▸▸ कारखानों में सुरक्षा की अनदेखी से जा रही कामगारों की जान

अब भारत के लिए हर मैच नॉकआउट की तरह 28 को आस्ट्रेलिया के खिलाफ असली परीक्षा ◂◂ 6

झारखंड के लिए आज गौरव का दिन

दिशोम गुरु शिबू सोरेन को मरणोपरांत पद्म भूषण

- आज राष्ट्रपति भवन में पत्नी रूपी सोरेन लेंगी सम्मान, बहू कल्पना सोरेन भी रहेंगी मौजूद
- तीन बार मुख्यमंत्री, आठ बार सांसद रहे

संवाददाता

रांचीः झारखंड राज्य गठन के महानायक और आदिवासियों के हक-अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष करने वाले स्वर्गीय दिशोम गुरु शिबू सोरेन को मंगलवार को देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया जाएगा। राष्ट्रपति भवन में आयोजित विशेष अलंकरण समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू यह सम्मान प्रदान करेंगी। गुरुजी को यह सम्मान मरणोपरांत लोक कल्याण और आदिवासी समाज के सशक्तीकरण के लिए उनके ऐतिहासिक योगदान को देखते हुए दिया जा रहा है। केंद्र सरकार ने इसी वर्ष गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर इसकी घोषणा की थी।

गौरतलब है कि लंबी बीमारी के बाद पिछले साल चार अगस्त 2025 को शिबू सोरेन का निधन हो गया था। निधन के समय वे राज्यसभा के सांसद थे। इससे पहले झारखंड विधानसभा ने उन्हें भारत रत्न देने का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित कर केंद्र सरकार को भेजा था। इस गौरवमयी पल की साक्षी बनने के लिए शिबू सोरेन की पत्नी रूपी सोरेन और बहू कल्पना सोरेन सोमवार को दिल्ली के लिए रवाना हो गईं। जेएमएम के केंद्रीय महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने बताया कि राष्ट्रपति के हाथों यह सम्मान रूपी सोरेन ग्रहण करेंगी। इस दौरान कल्पना सोरेन भी मौजूद रहेंगी। शिबू सोरेन झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री होने के साथ ही लगातार आठ बार लोकसभा सांसद, केंद्र सरकार में कोयला मंत्री और राज्यसभा के सांसद रह चुके है।

शिबू सोरेन से दिशोम गुरु तक का सफर : झारखंड में आदिवासियों के सर्वमान्य नेता शिबू सोरेन का जन्म 11 जनवरी 1944 को रामगढ़ के नेमरा गांव में हुआ था। उनके पिता का नाम सोबरन सोरेन है। उनकी प्रारंभिक शिक्षा रामगढ़ में ही हुई। 13 साल की उम्र में उनके पिता की हत्या कर दी गई। इस घटना ने उनकी जिंदगी बदल दी।

इसके बाद उन्होंने महाजनों के खिलाफ आंदोलन छेड़ दिया। उन्होंने ग्रामीणों को जागरुक किया। उनके इस आंदोलन काफी प्रभावी रहा। महाजनों से ग्रामीणों को जमीन दिलाने में वे काफी हद तक सफल रहे। लोग उन्हें प्यार और सम्मान से गुरुजी कहने लगे। शिबू सोरेन को राजनीतिक पहचान मिली संथाल इलाके से। यहां पर उन्हें दिशोम गुरु कहा जाने लगा।

जल, जंगल, जमीन की लड़ाई के नायकः शिबू सोरेन को झारखंड और देश भर में जल, जंगल, जमीन की लड़ाई और आदिवासी अस्मिता के सबसे बड़े योद्धा के तौर पर याद किया जाता है। उन्होंने 1970 के दशक में झारखंड मुक्ति मोर्चा की स्थापना कर अलग राज्य की मांग को संगठित स्वर दिया और आदिवासी व वंचित समुदायों के अधिकारों के लिए लंबे समय तक संघर्ष किया। साल 2000 में झारखंड राज्य के गठन के पीछे झामुमो और शिबू सोरेन की आंदोलनकारी भूमिका को निर्णायक माना जाता है। जिसने आंदोलन को सड़क से संसद तक पहुंचाया। राज्य गठन के बाद भी उन्होंने लगातार आदिवासी समाज, किसानों, श्रमिकों और जंगल-पहाड़ में बसे समुदायों की आवाज को राष्ट्रीय राजनीति के केंद्र में रखने का काम किया। चार दशकों तक शिबू सोरेन झारखंड और देश की राजनीति पर छाये रहे। समाजसेवी, आंदोलनकारी, विधायक, सांसद और मुख्यमंत्री के रूप उन्होंने अपनी छाप छोड़ी। वो झारखंड के तीन बार सीएम रहे। पहली बार 2005, दूसरी बार 2008 और तीसरी बार 2009 में वो मुख्यमंत्री बने। दिशोम गुरु शिबू सोरेन दुमका से 8 बार सांसद बने, राज्यसभा सदस्य भी रहे। वहीं केंद्र में तीन बार मंत्री पद पर भी आसीन हुए। ग्राम पंचायत से देश की सबसे बड़ी पंचायत तक उन्होंने आदिवासी, गरीबों की आवाज बुलंद की। 81 साल की उम्र में 2025 में उनका निधन हो गया।

आंध्र प्रदेश के परवाड़ा में बड़ा हादसा, फार्मा सिटी के तेल संयंत्र में लगी आग, दो श्रमिकों की मौत

विशाखापत्तनमः आंध्र प्रदेश के अनकापल्ली जिले के परवाड़ा फार्मा सिटी स्थित दक्षिण एनर्जी के प्लास्टिक पाइरोलिसिस तेल संयंत्र में भीषण आग लगने से दो श्रमिकों की जलकर मौत हो गई है। मृतकों की पहचान वेपदा वेंकटेश और त्रिनाथ के रूप में हुई है। दोनों लगभग 26 वर्ष के थे और अचुतापुरम के रहने वाले थे। प्रारंभिक रिपोर्टों के मुताबिक फार्मा सिटी के पास जेएनबीसी औद्योगिक पार्क की कंपनी में प्लास्टिक कचरे को तेल में रीसायकल करने के लिए इस्तेमाल होने वाले टैंक में धमाके से आग लगी। आग तेजी से संयंत्र में फैल गई, जिससे श्रमिक अंदर फंस गए। घटना की जानकारी मिलने पर अग्निशमन विभाग और आपातकालीन सेवा के लोग मौके पर पहुंचे और काफी देर बाद आग पर काबू पाने में कामयाबी मिली।

पुलिस और जिला प्रशासन के अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। धमाके और आग लगने की सही वजह का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। आंध्र प्रदेश की गृहमंत्री वंगालपुडी अनीता ने इस हादसे पर दुख जताया। उन्होंने अनकापल्ली जिला कलेक्टर विजया कृष्णन और पुलिस अधीक्षक तुहिन सिन्हा से हालात का जायजा लिया। मंत्री ने अधिकारियों को राहत काम में तेजी लाने का निर्देश देते हुए पीड़ितों के परिवारों को हरसंभव मदद का निर्देश दिया। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार ऐसे हादसों को दोबारा होने से रोकने के लिए कदम उठाएगी।

टीएमसी के अध्यक्ष पद से हटाई गईं ममता बनर्जी बागियों ने अरूप रॉय को बनाया नया अध्यक्ष

कोलकाता : पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक बड़ा भूचाल आ गया है। जिस तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की नींव खुद ममता बनर्जी ने रखी थी, अब वही पार्टी उनके हाथों से पूरी तरह फिसलती हुई नजर आ रही है। टीएमसी के बागी विधायकों ने कोलकाता में एक अहम बैठक कर भारी उलटफेर कर दिया है। इस गुट ने पार्टी की संस्थापक और पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को अध्यक्ष पद से बेदखल करते हुए पूर्व मंत्री अरूप रॉय को सर्वसम्मति से टीएमसी का नया बॉस (अध्यक्ष) चुन लिया है।

नई टीम का ऐलान, इन नेताओं को मिली बड़ी जिम्मेदारीः बागी गुट द्वारा पार्टी का अध्यक्ष बदले जाने के साथ ही पूरी नई कार्यकारिणी का भी ऐलान कर दिया गया है। बैठक के बाद मीडिया को जानकारी देते हुए विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी ने बताया कि विधायक संदीपन साहा, जावेद खान और खुद ऋतब्रत बनर्जी को महासचिव की अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही, पूर्व कोलकाता मेयर फिरहाद हकीम, पूर्व मंत्री अरूप बिस्वास और रथिन घोष को बागी गुट का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है, जबकि रघुनाथगंज के विधायक अखरुज्जमान को पार्टी का नया कोषाध्यक्ष बनाया गया है।

चुनाव आयोग के नियमों का पूरी तरह से किया गया पालनः इस बड़े तख्तापलट को वैध ठहराते हुए ऋतब्रत बनर्जी ने दावा किया कि उनके गुट ने बदलाव की इस प्रक्रिया में चुनाव आयोग के सभी नियमों और कानूनों का सख्ती से पालन किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस पूरे राजनीतिक घटनाक्रम और नई नियुक्तियों की विस्तृत जानकारी जल्द ही चुनाव आयोग को भी सौंप दी जाएगी। बागी नेता ने साफ शब्दों में कहा कि उनकी ओर से उठाया गया हर एक कदम पूरी तरह से कानूनी है और अब उनका गुट ही असली तृणमूल कांग्रेस है। कालीघाट के फैसलों से हमें कोई मतलब नहींःप्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान जब ऋतब्रत बनर्जी से यह तीखा सवाल पूछा गया कि आधिकारिक तौर पर तो अभी भी ममता बनर्जी पार्टी की अध्यक्ष हैं और अभिषेक बनर्जी महासचिव के पद पर काबिज हैं, तो उन्होंने इस बात को सिरे से खारिज कर दिया। बनर्जी ने कहा कि उन्हें कालीघाट (ममता बनर्जी का आवास) में हो रहे किसी भी घटनाक्रम से कोई लेना-देना नहीं है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि वहां लोगों की नियुक्तियां होती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने राशिद खान की रिहाई के दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले पर लगाई रोक

नई दिल्ली : वर्ष 1993 के कोलकाता बोबाजार (बहूबाजार) बम धमाके के केस में उम्रकैद की सजा काट रहे दोषी मोहम्मद राशिद खान की रिहाई के खिलाफ दाखिल बंगाल सरकार की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने राशिद और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है।

सुप्रीम कोर्ट ने राशिद खान की रिहाई को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले पर रोक लगा दी है। अब सुप्रीम कोर्ट इस इस मामले पर 28 जुलाई को अगली सुनवाई करेगा। राशिद खान के वकील ने कहा कि हाईकोर्ट से 5 जून को रिलीज का आदेश पारित हुआ था, उसको स्वास्थ्य सम्बंधी कई बीमारियां हैं। 30 साल से ज्यादा समय से जेल में है, उसका जेल में व्यवहार अच्छा था। इसलिए हाईकोर्ट के आदेश में दखल न दी जाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह एक मास्टरमांइड था। किसी मामले में एक से ज्यादा मास्टरमांइड नहीं हो सकते हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने 5 जून को दिए अपने आदेश में 33 साल से जेल में बंद राशिद खान की रिहाई का आदेश दिया था। हाईकोर्ट ने जेल में उसके लंबे वक्त और उसके व्यवहार के मद्देनजर यह रियायत देने का फैसला किया था। हाईकोर्ट के फैसले को लेकर बंगाल सरकार का कहना है कि राज्य सजा समीक्षा बोर्ड की राय राशिद खान की रिहाई के खिलाफ थी।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी मामला

एसआईटी ने गृह सचिव को सौंपी 150 पन्नों की प्रारंभिक रिपोर्ट

लखनऊः अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी मामले की जांच के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा गठित विशेष जांच दल (एसआईटी) ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट शासन को सौंप दी है। एसआईटी के चेयरमैन और लखनऊ मंडलायुक्त आईएएस विजय विश्वास पंत ने मंगलवार को अपर मुख्य सचिव गृह संजय प्रसाद को रिपोर्ट सौंपी। मुख्यमंत्री ने राम मंदिर ट्रस्ट की सिफारिश पर 14 जून को एसआईटी का गठन किया था और 15 दिन में जांच पूरी करने का समय दिया था। टीम ने अयोध्या में छह दिनों तक राम मंदिर परिसर में जांच की।

एसआईटी के चेयरमैन विजय विश्वास पंत ने कहा कि अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट अपर मुख्य सचिव को सौंप दी है। जो भी फाइंडिंग थी उसको शामिल किया गया है। अभी इसके बारे में इससे ज्यादा कुछ नहीं बताया जा सकता है। विशेष जांच दल में चेयरमैन लखनऊ कमिश्नर विजय विश्वास पंत , पुलिस महानिरीक्षक लखनऊ रेंज किरण शिवकुमार और यूपी फाइनेंस एंड अकाउंट्स सर्विस के विशेष सचिव (वित्त) नीलरतन कुमार शामिल हैं।

सूत्रों के मुताबिक एसआईटी की रिपोर्ट करीब 150 पन्नों की है। इसमें 150 लोगों से पूछताछ का विवरण शामिल है। टीम ने सिफारिश की है कि मंदिर की व्यवस्था के लिए किसी वरिष्ठ अधिकारी को सीईओ नियुक्त किया जाए। सूत्रों ने बताया कि एसआईटी ने विस्तृत जांच के लिए और समय देने की भी सिफारिश की है। प्रारंभिक जांच में कई बिंदुओं पर गहन पड़ताल की जरूरत बताई गई है। गौरतलब है कि राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला सामने आने के बाद राम मंदिर ट्रस्ट ने मुख्यमंत्री से एसआईटी गठित कर जांच कराने का अनुरोध किया था।

> **एसआईटी के चेयरमैन विजय विश्वास पंत ने कहा कि अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट अपर मुख्य सचिव को सौंप दी है। जो भी फाइंडिंग थी उसको शामिल किया गया है। अभी इसके बारे में इससे ज्यादा कुछ नहीं बताया जा सकता है। विशेष जांच दल में चेयरमैन लखनऊ कमिश्नर विजय विश्वास पंत , पुलिस महानिरीक्षक लखनऊ रेंज किरण शिवकुमार और यूपी फाइनेंस एंड अकाउंट्स सर्विस के विशेष सचिव (वित्त) नीलरतन कुमार शामिल हैं।**

वृद्ध की पीट-पीटकर हत्या , जांच में जुटी पुलिस

ट्रैक्टर चलवाने का करता था काम

गिरिडीहः जिले में एक वृद्ध की बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दी गयी। मृतक की पहचान 60 वर्षीय वासुदेव मंडल के रूप में हुई है। घटना डुमरी थाना इलाके के बड़कीबेरगी पंचायत अंतर्गत जन्मबेडा गांव की है। जबकि मृतक डुमरी थाना इलाके के ससारखो पंचायत अंतर्गत बसगोहरा गांव का रहने वाला था। घटना मंगलवार की सुबह लगभग 4 बजे की बतायी जा रही है।

मृतक के गांव के लोगों और परिजनों के अनुसार बासुदेव का ट्रेक्टर है। वह ट्रेक्टर चलवाने का काम करता था। हर सुबह लगभग 3 बजे वह घर से निकलता था और ड्राइवर लेकर आता था। मंगलवार की सुबह भी वह अपनी बाइक लेकर घर से निकला। कुछ घंटे के बाद यह सूचना मिली की बासुदेव की लाश जन्मबेडा में पड़ी हुई है।

बेरहमी से की गई हत्याः इधर शव देखने के बाद परिजनों का कहना है कि बासुदेव की हत्या काफी बेरहमी से की गई है। संभवतः डंडा और अन्य भारी औजार से उसकी पिटाई की गई है। मृतक के प्राइवेट अंग में भी चोट करने की बात लोग काह रहे हैं। घरवालों का यह भी कहना है कि संभवतः बासुदेव की हत्या जमीन विवाद में की गई होगी। घरवालों ने हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग की है।

एसडीपीओ ने शुरू की जांचः दूसरी तरफ घटना की सूचना एसपी डॉ बिमल कुमार को मिली है। सूचना मिलते ही एसपी ने डुमरी एसडीपीओ आबिद खान को पूरे मामले की जांच करने का निर्देश दिया है। निर्देश पर एसडीपीओ आबिद खान के साथ डुमरी थाना प्रभारी श्रीकांत मौके पर पहुंचे और छानबीन शुरू की। पुलिस मौके पर देखा कि मृतक की लाश पड़ी हुई है और बाइक भी किनारे पड़ा है।

लखनऊ अग्निकांड में 15 मौतें, जांच के लिए पहुंची एसआईटी, फोरेंसिक के सदस्यों ने सील की इमारत, जांच शुरू

- सभी शव परिजन को सौंपे गये, बेटी का शव देखकर मां बेहोश
- चार अधिकारी निलंबित, बिल्डिंग मालिक और कोचिंग संचालक समेत चार गिरफ्तार

लखनऊः लखनऊ अग्निकांड की जांच शुरू हो चुकी है। घटना के बाद मंगलवार को एसआईटी के साथ फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंच चुकी है। फोरेंसिक टीम ने जांच के लिए पूरी इमारत को सील कर दिया है। टीम अंदर से सबूत जुटा रही है। अभी भी यह पूरी तरह से आधिकारिक तौर पर साफ नहीं हो पाया है कि यह हादसा कैसे हुआ। प्रारंभिक जांच में यह बात सामने आई है कि यह एसी के फटने से हुई है।

इसके पहले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अलीगंज अग्निकांड को लेकर देर रात उच्चस्तरीय बैठक की। इसमें दोषियों को चिह्नित करने के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का आदेश दिया। वहीं, अलीगंज थाने में छह लोगों के खिलाफ नामजद एफआईआर दर्ज कर ली गई है। इनमें से चार को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सीएम के निर्देश पर गठित एसआईटी में संस्कृति विभाग के अपर मुख्य सचिव अमृत अभिजात और लखनऊ के एडीजी जोन प्रवीण कुमार सदस्य हैं। जांच दल सात दिन में रिपोर्ट सीएम को सौंपेगा। वहीं, मुख्यमंत्री के निर्देश पर चार अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। प्रथम दृष्ट्या दोषी पाए गए गौरव कुमार, एक्सेन कलेक्शन (बिजली विभाग) जानकीपुरम, कमलेंद्र कुमार सिंह, एफएसएसओ (फायर विभाग) इंदिरा नगर, अनिल कुमार, एई, एलडीए और प्रमोद पांडे, जेई-एलडीए के खिलाफ निलंबन की कार्रवाई की गई है। एलडीए ने पांच सदस्यीय जांच समिति गठित की है। इसकी रिपोर्ट के बाद के बाद अन्य अफसरों पर भी गाज गिर सकती है।

सोमवार रात पुलिस ने बिल्डिंग के मालिक मदेयगंज निवासी वीरेंद्र प्रसाद शुक्ला, अलीगंज निवासी पेट शॉप के मालिक रामकृष्ण उपाध्याय, एनिमेशन सेंटर के संचालक बालागंज निवासी तूशॉक कृष्णा जायसवाल और किरायेदार सुरेश कुमार शाहू निवासी केशवनगर, मड़ियांव को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, एफआईआर में नामजद आरोपी धीरेंद्र शुक्ला और सुरेंद्र शुक्ला की तलाश जारी है। संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था बबलू कुमार के मुताबिक पुरनिया चौकी इंचार्ज शुभम तिवारी की तहरीर पर छह नामजद और अन्य अज्ञात के खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं व 6/10 उत्तर प्रदेश अग्निशमन सेवा अधिनियम की धारा में केस दर्ज किया गया है। मामले में शामिल अन्य लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है।

कोचिंग सेंटर में लगी आग, 15 छात्रों की मौतः अलीगंज स्थित एक बिल्डिंग में आग लगने से कोचिंग पढ़ने व एनीमेशन कोर्स करने वाले 15 छात्रों की जलकर मौत हो गई। कई छात्र गंभीर रूप से झुलस गए। जान बचाने के लिए बिल्डिंग से कूदे नौ छात्र गंभीर रूप से घायल हैं। हादसे की सूचना मिलते ही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अलीगढ़ का दौरा छोड़कर वापस आए और घटनास्थल का मुआयना किया। रक्षामंत्री एवं राजधानी के सांसद राजनाथ सिंह भी लखनऊ के लिए रवाना हो गए हैं। शॉर्ट सर्किट और एसी का कंप्रेसर फटने के कारण आग लगने की आशंका जताई जा रही है।

न्यूज IN ब्रीफ

चुनाव प्रक्रिया की तजबूती के लिए एसआईआर जरूरी: अमित महतो

मुरी : एसआईआर के अर्थ की बारीकियों को जानकारी देने हेतु सिल्ली विधायक अमित महतो ने झारखंड मुक्ति मोर्चा के साथ बैठक बीएलए 2 को लेकर सिल्ली में किए। बैठक में सिल्ली विधानसभा के विधायक अमित कुमार महतो ने कहा कि एसआईआर की आवश्यकता चुनाव को मजबूत बनाने के लिए होती है। यह एक वोटिंग प्रक्रिया है जिसमें दस्तावेजों को अपडेट किया जाता है। भौतिक सत्यापन किया जाता है। जिससे वोट सुरक्षित रहता है और इसका सीधा लाभ जनता को मिलता है। बीएलओ एवं बीएलए 2 के बीच अंतर को भी स्पष्ट किया और कहा कि बीएलए 2 के द्वारा सत्यापन में सुधार हेतु काफी सहूलियत मिलती है। इस मौके पर झामुमो प्रखंड अध्यक्ष राहे पशुपति अहीर, प्रखंड उपाध्यक्ष सनातन मुंडा, सिल्ली मुखिया भरत मुंडा, डॉ अखिल महतो, अखिलेश कुम्हार, भगीरथ महतो, फखरुद्दीन रॉय, धनंजय सिंह मुंडा, सुयोग साहू समेत झारखंड मुक्ति मोर्चा के काफी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बिजली संकट को लेकर निकाला जायेगा मशाल जुलूस

मुरी : बिजली संकट को लेकर मुरी -सिल्ली के व्यवसायी एवं ग्रामीणों द्वारा एक बैठक रविवार देर रात पुराना बुंडू रोड स्थित लॉज में की गयी। इस बैठक में मुरी- सिल्ली में बिजली की लचर व्यवस्था को देखते हुए विनय साहू की अध्यक्षता में निर्णय लिया गया कि बिजली समस्या को लेकर प्रखंड कार्यालय एवं पुलिस बल आदि को इस आंदोलन की जानकारी दी जाएगी। आगामी 27 जून को संध्या में मशाल जुलूस निकाला जाएगा तथा 28 जून को चिली सब स्टेशन में तालाबंदी की जायेगी। समस्त सिल्ली प्रखंड के ग्रामीणों से अपील की गई कि महिला समिति पहुंचकर इस तालाबंदी को सफल बनाएं।

महिला ने खाई जहर, मौत

चतरा : जिले के राजपुर थाना क्षेत्र के चारू गांव निवासी सकीना खातून (25) पति मो हसमत अंसारी ने रविवार की रात विषपान कर आत्महत्या कर ली। जानकारी के अनुसार किसी बात को लेकर महिला ने गुस्से में आकर घर में रखा सल्फास की गोली खा लिया, जिससे उसकी स्थिति बिगड़ने लगी। परिजन आनन फानन में उसे स्वास्थ्य केंद्र ले गये, जहां चिकित्सको ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पाकर पुलिस ने शव को कब्जे में कर सदर अस्पताल चतरा में सोमवार को पोस्टमार्टम करा कर परिजनो को सौंप दिया। हालांकि आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल पाया है। मृतका के दो छोटे-छोटे बच्चे है। थाना प्रभारी रूपेश कुमार राय ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है। अब तक कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।आवेदन मिलते ही आगे की कार्रवाई की जायेगी।

पाण्डेयपुरा में सात दिवसीय श्रीमद्भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ का आयोजन

चतरा : जिले के हंटरगंज प्रखंड के पाण्डेयपुरा के तिवारी टोला में नव-निर्मित गृह प्रवेश के पावन अवसर पर सात दिवसीय श्रीमद् भागवत महापुराण ज्ञान यज्ञ कथा का भव्य आयोजन किया गया। धार्मिक आयोजन का शुभारंभ 17 जून को प्रातः 7 बजे भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ।आयोजन समिति के अनुसार 17 जून से 23 जून 2026 तक प्रतिदिन संध्या 7 बजे से रात्रि 11 बजे तक श्रीमद् भागवत महापुराण कथा का आयोजन किया गया। कथा का वाचन एवं प्रवचन परम पूज्य श्री जियर स्वामी जी के शिष्य श्री चतुभुर्जाचार्य स्वामी जी महाराज द्वारा किया जा रहा है, जिनके मुखारविंद से श्रद्धालु भागवत कथा का रसपान कर रहे हैं। इस धार्मिक अनुष्ठान का आयोजन राजकुमार तिवारी एवं समस्त तिवारी परिवार द्वारा किया गया। आयोजन स्थल पर प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर कथा श्रवण कर रहे हैं तथा भक्ति और आध्यात्मिकता का लाभ उठा रहे हैं। आयोजकों ने क्षेत्र के सभी श्रद्धालुओं से कथा में शामिल होकर धर्म लाभ प्राप्त करने की अपील की है। पूरे क्षेत्र में इस धार्मिक आयोजन को लेकर भक्तिमय वातावरण बना हुआ है।

श्री राधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में अन्नपूर्णा महाप्रसाद का हुआ आयोजन

रांची : पुंदाग स्थित श्रीराधा-कृष्ण प्रणामी मंदिर में 271 वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का श्रद्धापूर्वक आयोजन किया गया। कार्यक्रम में हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लेकर भगवान श्री राधा-कृष्ण का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर मंदिर में श्री राधा रानी जी का दिव्य एवं अलौकिक श्रृंगार आकर्षक आभूषणों एवं मनोहारी पुष्पों से किया गया, दोपहर 12 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडेय द्वारा विधिवत पूजा-अर्चना एवं मंत्रोच्चार के साथ महाप्रसाद का भोग लगाया गया। इसके पश्चात महाप्रसाद में मसालेदार वेजिटेबल खिचड़ी, बोतल बंद जलजीरा शर्बत एवं आलू चिप्स का पैकेट का वितरण श्रद्धालुओं के बीच किया गया। मंदिर परिसर में उपस्थित लगभग 1500 से अधिक श्रद्धालुओं ने श्रद्धापूर्वक महाप्रसाद ग्रहण किया।भक्ति रस से ओत-प्रोत भजन संध्या कार्यक्रम में ट्रस्ट के भजन गायक मनीष सोनी द्वारा सुमधुर एवं मनमोहक भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रद्धालुओं को भावविभोर कर दिया।

मुहर्रम को लेकर चतरा सदर थाना में शांति समिति की बैठक संपन्न

अफवाह फैलाने वालों पर होगी कड़ी कार्रवाई असामाजिक तत्वों पर पुलिस की रहेगी पैनी नजर

तय रूट चार्ट और समय-सारणी का पालन अनिवार्य : सन्नी वर्धन

संवाददाता

चतरा : मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण, सौहार्दपूर्ण एवं विधि-व्यवस्था के अनुरूप संपन्न कराने के उद्देश्य से चतरा सदर थाना परिसर में सोमवार को शांति समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिस पदाधिकारियों, अखाड़ा समितियों के प्रतिनिधियों, दोनों समुदायों के प्रबुद्ध नागरिकों तथा सामाजिक कार्यकताओं ने भाग लेकर आपसी सद्भाव और भाईचारे के साथ पर्व मनाने का संकल्प लिया।बैठक की अध्यक्षता सदर अंचलाधिकारी अनिल कुमार ने की, जबकि संचालन सदर थाना प्रभारी अवधेश कुमार सिंह ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सन्नी वर्धन उपस्थित थे। इसके अलावा विभिन्न चौकों एवं अखाड़ों के अध्यक्ष, सचिव, समिति के सदस्य तथा बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।बैठक को संबोधित करते हुए एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने कहा कि मुहर्रम केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि त्याग, बलिदान, सत्य, न्याय और मानवता के लिए संघर्ष की अमर गाथा है। यह पर्व हमें सत्य के मार्ग पर चलने, अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने तथा समाज में प्रेम और भाईचारे को मजबूत करने की प्रेरणा देता है। उन्होंने लोगों से अपील की कि मुहर्रम के मूल संदेश को आत्मसात करते हुए इसकी गरिमा और परंपरा को बनाए रखें।उन्होंने कहा कि चतरा की पहचान हमेशा से सामाजिक समरसता, सांप्रदायिक सौहार्द और गंगा-जमुनी तहजीब के लिए रही है। यहां सभी समुदायों के लोग एक-दूसरे के पर्वों में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं और यही परंपरा जिले की सबसे बड़ी ताकत है। इस परंपरा को और अधिक मजबूत बनाने की आवश्यकता है।एसडीपीओ ने स्पष्ट किया कि मुहर्रम के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता होगी। किसी भी प्रकार से माहौल बिगाड़ने,अफवाह फैलाने या सामाजिक सौहार्द को प्रभावित करने का प्रयास करने वालों पर पुलिस की विशेष नजर रहेगी।उन्होंने कहा कि जिले के संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी तथा पर्याप्त संख्या में पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम लगातार क्षेत्र में भ्रमण कर स्थिति पर नजर रखेगी। यदि कोई व्यक्ति अमन-चैन में खलल डालने की कोशिश करता है तो उसके खिलाफ कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी, भ्रामक पोस्ट से बचने की अपीलः बैठक में सोशल मीडिया के दुरुपयोग पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की गई। एसडीपीओ ने कहा कि वर्तमान समय में सोशल मीडिया अफवाह फैलाने का सबसे तेज माध्यम बन चुका है। इसलिए किसी भी तरह की भ्रामक,आपत्तिजनक अथवा किसी समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली पोस्ट साझा करने से बचें। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि किसी भी संदेश, फोटो या वीडियो को बिना सत्यापन के आगे फॉरवर्ड न करें। यदि किसी को कोई संदिग्ध या भड़काऊ सामग्री दिखाई दे तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस प्रशासन को दें। सोशल मीडिया पर विशेष निगरानी रखी जाएगी और नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी।

जुलूसों की होगी कड़ी मॉनिटरिंग,रूट चार्ट का पालन अनिवार्यः एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने अखाड़ा समितियों और जुलूस आयोजकों को प्रशासन द्वारा निर्धारित रूट चार्ट, समय-सारणी और सुरक्षा मानकों का पूर्ण पालन करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि जुलूस निर्धारित मार्ग और समय के अनुसार ही निकाले जाएं ताकि किसी प्रकार की अव्यवस्था उत्पन्न न हो।बैठक की अध्यक्षता कर रहे सीओ अनिल कुमार ने कहा कि मुहर्रम शहादत, त्याग और इंसानियत के लिए संघर्ष का प्रतीक पर्व है। उन्होंने बताया कि प्रशासन द्वारा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में निकलने वाले सभी जुलूसों की लगातार निगरानी की जाएगी तथा आवश्यक सुरक्षा एवं सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी।बैठक में मौजूद अखाड़ा समितियों के प्रतिनिधियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और दोनों समुदायों के गणमान्य लोगों ने प्रशासन को पूर्ण सहयोग देने का भरोसा दिलाया। सभी ने एक स्वर में कहा कि चतरा की सामाजिक एकता, भाईचारे और सांप्रदायिक सौहार्द की परंपरा को अक्षुण्ण रखते हुए मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं अनुशासित तरीके से संपन्न कराया जाएगा।बैठक का समापन आपसी सहयोग, सामाजिक सद्भाव और शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने के सामूहिक संकल्प के साथ हुआ। प्रशासन ने आम नागरिकों से भी अपील की कि किसी भी अफवाह पर ध्यान न दें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस या प्रशासन को दें, ताकि समय रहते आवश्यक कार्रवाई की जा सके और जिले का अमन-चैन कायम रहे।

इटखोरी थाना परिसर में हुई शांति समिति की बैठक

संवाददाता

चतरा : इटखोरी थाना परिसर में आगामी मुहर्रम को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर सोमवार को शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता इटखोरी अंचल अधिकारी सविता सिंह ने की। शांति समिति की आयोजित बैठक में दोनों समुदायों के सैकड़ों लोगों ने भाग लिया और आपसी भाईचारे तथा सामाजिक सौहार्द के साथ मुहर्रम पर्व मनाने का निर्णय लिया। इस दौरान पुलिस प्रशासन ने पर्व के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने को लेकर कई आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। थाना प्रभारी अभिषेक कुमार सिंह ने कहा कि इटखोरी थाना क्षेत्र में सभी धर्मों के लोग हमेशा से आपसी भाईचारे और सौहार्द के साथ पर्व-त्योहार मनाते आए हैं। इस परंपरा को आगे भी कायम रखने की आवश्यकता है। बैठक में पंचायत स्तर पर लाइसेंसी एवं गैर-लाइसेंसी अखाड़ों की समीक्षा की गई। अखाड़ा समितियों के अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष एवं कम से कम 10 सदस्यों का नाम और मोबाइल नंबर थाना में जमा करने का निर्देश दिया गया। साथ ही जिन अखाड़ों का लाइसेंस समाप्त हो चुका है, उन्हें शीघ्र नवीकरण (रिन्यूअल) के लिए आवेदन देने को कहा गया। पुलिस प्रशासन ने स्पष्ट निर्देश दिया कि मुहर्रम जुलूस केवल निर्धारित रूट से ही निकाला जाएगा। जुलूस के दौरान असामाजिक एवं शरारती तत्वों पर प्रशासन के द्वारा विशेष नजर रखी जाएगी। सामाजिक एवं धार्मिक उन्माद फैलाने वाले नारे और गीतों पर पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। इसके अलावा डीजे बजाने पर भी पूर्ण प्रतिबंध रहेगा। बैठक में उपस्थित लोगों से अपील की गई कि कहीं भी किसी प्रकार की समस्या या विवाद की स्थिति उत्पन्न होने पर इसकी सूचना तत्काल पुलिस प्रशासन को दें, ताकि समय रहते उचित कार्रवाई की जा सके। इस बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी सोमनाथ बंकिरा, भाजपा जिला महामंत्री डॉक्टर मृत्युंजय सिंह,उप्रमुख संजय गुप्ता,भद्रकाली महाविद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर दुलार ठाकुर, सतीश सिंह, निरंजन सिंह, मकसूद आलम, गुलाम रशुल, श्री राम चौरसिया, अनुज दांगी समेत पंचायतों के जनप्रतिनिधियों के साथ-साथ दोनों समुदायों के अन्य कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जिला शिक्षा स्थापना समिति की बैठक में प्रारंभिक विद्यालयों का जोन निर्धारण किया गया

संवाददाता

चतरा : समाहरणालय स्थित कार्यालय कक्ष में उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में जिला शिक्षा स्थापना समिति की बैठक आयोजित की गई।बैठक में जिले की शैक्षणिक व्यवस्था से संबंधित विभिन्न विषयों पर विचार-विमर्श किया गया तथा आवश्यक प्रशासनिक बिंदुओं की समीक्षा की गई। बैठक के दौरान चतरा जिले में संचालित कुल 842 प्रारंभिक विद्यालयों के जोन निर्धारण संबंधी प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की गई। विचार-विमर्श उपरांत संबंधित प्रावधानों एवं आवश्यकताओं के अनुरूप विद्यालयों का जोन निर्धारण किया गया। इस प्रक्रिया का उद्देश्य विद्यालयों के प्रशासनिक प्रबंधन को सुदृढ़ बनाना तथा शिक्षा व्यवस्था के प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करना है।उपायुक्त ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों को शैक्षणिक गतिविधियों के सुचारू संचालन एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए समन्वित रूप से कार्य करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र से जुड़े कार्यों का समयबद्ध एवं प्रभावी निष्पादन सुनिश्चित किया जाए, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराया जा सके।बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी दिनेश कुमार मिश्रा, जिला शिक्षा अधीक्षक रामजी कुमार समेत अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

टंडवा में तेज रफ्तार कोल हाइवा पलटा, बाल-बाल बचा चालक

संवाददाता

चतरा : टंडवा प्रखंड मुख्यालय के ग्राम नई पारम में आज तड़के एक बड़ा सड़क हादसा टल गया। यहाँ एक तेज रफ्तार हाइवा अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। गनीमत यह रही कि इस दुर्घटना में हाइवा के ड्राइवर को गंभीर चोट नहीं आई और वे बाल-बाल बच गया। यह घटना ग्राम नई पारम,टंडवा ब्लॉक के आगे हुआ। हाइवा गाड़ी नंबरः जेएच 02 बीएक्स 0709 है,ड्राइवर सुरक्षित है, स्थानीय लोगों की मदद से राहत कार्य जारी। घटना के बाद मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई है। लगातार हो रहे हादसों को लेकर ग्रामीणों में चिंता का माहौल है। विभागीय अधिकारियों द्वारा इस मार्ग पर गति सीमा तय करने की आवश्यकता है।

दिनदहाड़े महिला के गले से सोने के चेन की छिनतई

संवाददाता

चतरा : शहर के खैनी गोला स्थित कुम्हार टोली में सोमवार को घड़ा खरीद रही महिला के गले से दिनदहाड़े 18 ग्राम सोने की चेन की छिनतई हो गयी। इस संबंध में भुक्तभोगी महिला गुदरी बाजार रामनगर निवासी ममता गुप्ता पति मनोज कुमार गुप्ता ने सदर थाना में आवेदन दिया है। बताया कि एक कुम्हार के घर पर घड़ा खरीद रही थी। इस दौरान एक युवक वहां पहुंचा और एक व्यक्ति के बारे में पूछताछ कर निकल गया। कुछ मिनट के बाद वह दोबारा लौटा और मौका पाकर उनके गले से सोने की चेन झपट कर भाग निकला। जब उसके पीछे दौड़ी, तो देखा कि बाहर पहले से बाइक स्टार्ट कर एक युवक खड़ा था, जिसमें वह बैठ कर फरार हो गया. छीनी गयी सोने की चेन की कीमत एक लाख 80 हजार रुपये बतायी गयी। दिनदहाड़े हुई इस घटना के बाद लोगों में दहशत का माहौल है। लोगों ने पुलिस से अपराधियों की शीघ्र गिरफ्तारी व शहर में गश्त बढ़ाने की मांग की है। इस संबंध में थाना प्रभारी अवधेश सिंह ने कहा कि आवेदन के आधार पर मामला दर्ज किया जा रहा है। घटनास्थल के आसपास सीसीटीवी कैमरा को खंगाल कर छिनतई करने वाले युवकों की पहचान की जा रही है।

उद्योग एवं स्वरोजगार योजनाओं की हुई समीक्षा, लंबित आवेदनों के शीघ्र निष्पादन का निर्देश

संवाददाता

चतरा : समाहरणालय स्थित सभा कक्ष में उपायुक्त रवि आनंद की अध्यक्षता में सोमवार को उद्योग विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला उद्योग केंद्र द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, उद्यमिता विकास कार्यक्रमों तथा उद्योग संवर्धन से संबंधित गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा की गई।समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम, प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना एवं ईज ऑफ डूइंग बिजनेस से संबंधित कार्यों की अद्यतन स्थिति पर विस्तार से चर्चा की गई। उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को योजनाओं के निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति हेतु सक्रियतापूर्वक कार्य करने तथा पात्र लाभुकों को समय पर योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना के अंतर्गत जिले को 46 लाभुकों का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। वर्तमान में विभिन्न बैंक शाखाओं में बड़ी संख्या में आवेदन लंबित हैं। इस पर उपायुक्त ने संबंधित अधिकारियों को लंबित मामलों के त्वरित निष्पादन हेतु समन्वित प्रयास करने तथा पात्र आवेदकों को ऋण स्वीकृति एवं वितरण की प्रक्रिया में तेजी लाने के निर्देश दिए। साथ ही आगामी समीक्षा बैठक में बैंकिंग संस्थानों के प्रतिनिधियों को भी शामिल करने का निर्देश दिया गया।

बैठक के दौरान मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्योग विकास बोर्ड तथा माटी कला बोर्ड द्वारा संचालित योजनाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों, टूलकिट वितरण एवं स्वरोजगार गतिविधियों की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने प्रखंड स्तर के प्रखंड उद्यमी समन्वयकों को स्थानीय हस्तशिल्पकारों एवं पारंपरिक कारीगरों का सर्वेक्षण कर उन्हें प्रशिक्षण, विपणन एवं विभिन्न सरकारी योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए।उन्होंने कहा कि जिले की स्थानीय कला, शिल्प एवं पारंपरिक उत्पादों को बढ़ावा देकर स्वरोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं। साथ ही भद्रकाली एवं कौलेश्वरी जैसे प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर स्थानीय हस्तशिल्प उत्पादों के विपणन की संभावनाओं का लाभ उठाते हुए कारीगरों की आय वृद्धि एवं जिले की विशिष्ट पहचान स्थापित करने की दिशा में कार्य करने पर बल दिया।बैठक में महाप्रबंधक जिला उद्योग केंद्र शंभू शरण बैठा, ईओडीबी प्रबंधक शुभाशीष कुमार, जिला उद्यमी समन्वयक हेमंत केसरी, विभिन्न प्रखंडों के प्रखंड उद्यमी समन्वयक, मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्योग विकास बोर्ड से जुड़े प्रतिनिधि समेत अन्य संबंधित उपस्थित थे।

मुहर्रम को लेकर झारखंड में हाई अलर्ट
केंद्रीय सुरक्षा बलों की सात कंपनियां तैनात

गुलाम शाहिद

रांचीः झारखंड में मुहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में संपन्न कराने के लिए राज्य सरकार और प्रशासन ने व्यापक सुरक्षा तैयारियां पूरी कर ली हैं। कानून-व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने के उद्देश्य से केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य के विभिन्न संवेदनशील जिलों में केंद्रीय सुरक्षा बलों की सात कंपनियां तैनात करने की मंजूरी प्रदान की है। प्राप्त

जानकारी के अनुसार केंद्रीय बलों के जवान 25 जून से 27 जून तक राज्य के अलग-अलग जिलों में तैनात रहेंगे। जिन जिलों में सुरक्षा बलों की विशेष तैनाती की जाएगी उनमें रांची, हजारीबाग, लोहरदगा, जमशेदपुर, पलामू और गिरिडीह शामिल हैं। इन जिलों में मुहर्रम के अवसर पर निकलने वाले ताजिया एवं अखाड़ा जुलूसों को देखते हुए अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार पर्व के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन, पुलिस बल तथा केंद्रीय सुरक्षा बलों के बीच समन्वय स्थापित किया गया है। संवेदनशील क्षेत्रों में विशेष निगरानी रखी जाएगी, जबकि प्रमुख जुलूस मार्गों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाएंगे। इसके अलावा सीसीटीवी कैमरों, ड्रोन निगरानी और क्विक रिस्पांस टीमों की भी तैनाती की जाएगी।

राज्य पुलिस मुख्यालय ने सभी जिलों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी करते हुए अफवाहों पर नजर रखने और सोशल मीडिया मॉनिटरिंग को तेज करने का निर्देश दिया है। अधिकारियों ने आम लोगों से भी शांति एवं भाईचारे की परंपरा को बनाए रखने में सहयोग की अपील की है।

प्रशासन का कहना है कि मुहर्रम के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना को रोकने और श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए गए हैं। राज्यभर में सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं

बिरसा मुंडा जेल में महिला कैदी के गर्भवती मामला

हाईकोर्ट में सीलबंद लिफाफे में पेश की गई रिपोर्ट

रांचीः बिरसा मुंडा केंद्रीय कारा, होटवार में महिला कैदी के गर्भवती होने के मामले में झारखंड हाईकोर्ट द्वारा स्वतः संज्ञान से दर्ज जनहित याचिका पर मंगलवार को सुनवाई हुई। चीफ जस्टिस एमएस सोनक और जस्टिस राजेश शंकर की खंडपीठ के समक्ष राज्य सरकार की ओर से सीलबंद लिफाफे में रिपोर्ट पेश की गई। इस रिपोर्ट में मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट के साथ-साथ रांची के न्यायायुक्त की ओर से कराई गई न्यायिक जांच रिपोर्ट भी शामिल थी। खंडपीठ ने सीलबंद लिफाफे में प्रस्तुत दस्तावेजों को रिकॉर्ड पर लिया और मामले की अगली सुनवाई के लिए 9 जुलाई की तिथि निर्धारित की।

इससे पहले 22 मई 2026 को झारखंड हाईकोर्ट की वेकेशन बेंच ने इस मामले को गंभीर मानते हुए स्वतः संज्ञान लिया था। जस्टिस आर मुखोपाध्याय और जस्टिस पीके श्रीवास्तव की खंडपीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए राज्य सरकार समेत सभी प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया था।

डोरंडा और रांची सेंट्रल मुहर्रम कमिटी ने तेज की तैयारियां

शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल में निकलेंगे जुलूस

मेट्रो रेज

रांची : राजधानी रांची में डोरंडा मुहर्रम कमिटी एवं रांची सेंट्रल मुहर्रम कमिटी ने मुहर्रम की तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। दोनों कमिटियों के पदाधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि पर्व को शांति, भाईचारे और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं।

कमिटी की ओर से विभिन्न अखाड़ों के खलीफाओं को जुलूस के संचालन एवं अनुशासन बनाए रखने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। खलीफाओं से अपील की गई है कि वे प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन सुनिश्चित करें तथा जुलूस के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग करें।

मुहर्रम कमिटी के पदाधिकारियों ने कहा कि मुहर्रम त्याग, बलिदान और इंसानियत का संदेश देने वाला पर्व है। सभी लोग आपसी सद्भाव और एकता के साथ इसे मनाएं तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें। प्रशासन और मुहर्रम कमिटियों के बीच लगातार समन्वय स्थापित किया जा रहा है ताकि पर्व शांतिपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल में संपन्न हो सके।

प्रशासन ने आम लोगों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें तथा सामाजिक सौहार्द बनाए रखने में अपनी भूमिका निभाएं।रांची में इंटीरियर और होम डेकोर की दुनिया में एक नया नाम जुड़ गया है।

झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट सुनील सहाय ने ओलंपिक दिवस की दी शुभकामनाएं , कहा-

खेल को अपने जीवन का हिस्सा बनाएं

मेट्रो रेज

रांचीः ओलंपिक दिवस पर झारखंड ओलंपिक एसोसिएशन के वाइस प्रेसिडेंट सुनील सहाय ने खिलाड़ियों सहित समस्त झारखंडवासियों को बधाई दी। अपने संदेश में श्री सहाय ने कहा कि

आज का दिन सिर्फ खेल का उत्सव नहीं, बल्कि मानवता की एकता का उत्सव है। खेल के जरिए देश -दुनिया को एक दूसरे से बेहतर संबंध बनाने के उद्देश्य से 23 जून 1894 को पेरिस में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति बनी थी। ओलंपिक दिवस साथ मिलकर बेहतर दुनिया बनाने का एक संदेश है।

ओलंपिक के पांच रिंग पांच

महाद्वीपों को जोड़ते हैं। रंग, जाति, धर्म, देश - सब मैदान में एक हो जाते हैं। नफरत की दीवारें गिरती हैं और दोस्ती के पुल बनते हैं।

श्री सहाय ने कहा कि ओलंपिक के तीन मूल मंत्र हैं

उत्कृष्टता, सम्मान और मित्रता

उत्कृष्टताः रोज खुद से बेहतर बनें।

सम्मानः विरोधी का, नियमों का, खुद का सम्मान करें।

मित्रताः खेल दुश्मनी नहीं, भाईचारा सिखाता है।

ओलंपिक दिवस की थीम कहती है सिर्फ एथलीट नहीं, हर इंसान एक्टिव बनें। रोज 30 मिनट दौड़, योग करें, साइकिल चलाएं। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मन बसता है।

बच्चों को संदेश देते हुए उन्होंने कहा कि नीरज चोपड़ा, पीवी. सिंधु आपके अंदर है। बस मेहनत से उसे जगाना है।

वहीं , अभिभावकों से कहा कि बच्चे को हारने दें। गिरने दें। हार ही उसे जीतना सिखाएगी।श्री सहाय ने समाज से अपील करते हुए कहा कि खिलाड़ियों को सिर्फ ओलंपिक के समय ही मत याद करें। उसकी चार साल की तपस्या में साथ दें। सुविधा दें, सम्मान दें। मेडल टेबल में नंबर वन नहीं, खेल संस्कृति में भी नंबर एक बनना है। ओलंपिक दिवस पर हम संकल्प लें कि खुद फिट रहेंगे। क्योंकि स्वस्थ भारत ही समर्थ भारत है। खेल भावना रखेंगे। जिंदगी के मैदान में भी हार-जीत को खेल की तरह लेंगे।

प्रतिभा को सहारा देंगे- किसी गरीब बच्चे की किट, फीस का जिम्मा लेंगे। याद रखिए, ओलंपियन बनने के लिए ओलंपिक में जाना जरूरी नहीं। जो अपनी लिमिट रोज तोड़ता है, जो हारकर भी हिम्मत नहीं हारता वो भी ओलंपियन है।

आएं, खेल को जीवन का हिस्सा बनाएं।

बसेरा डेकोर एंड आर्टिस्टिक का उद्घाटन

रांचीः 'बसेरा डेकोर एंड आर्टिस्टिक' का आज भव्य शुभारंभ हुआ। संचालकों का दावा है कि झारखंड में पहली बार होलसेल और रिटेल दोनों में आर्टिफिशियल डेकोरेशन के यूनिक प्रोडक्ट मिलेंगे। होम डेकोर और इंटीरियर डिजाइन के शौकीनों के लिए खुशखबरी है। राजधानी में 'बसेरा टैगोर एंड आर्टिस्टिक' का शुभारंभ किया गया। यहां इंटीरियर डिजाइन के साथ-साथ आर्टिफिशियल डेकोरेशन, पोर्ट लाइट, प्लांटेशन पॉट और गिफ्ट आइटम की बड़ी रेंज उपलब्ध है।

उद्घाटन के मौके पर राजकुमार पोद्दार, अनु पोद्दार, अनमोल पोद्दार, सक्षम पोद्दार, उत्सव पोद्दार, निकिता पोद्दार, रस्मा पोद्दार समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे। हमारे इस स्टोर से होलसेल और रिटेल दोनों किया जाएगा। झारखंड के लोगों को अब इंटीरियर डिजाइन के लिए बाहर नहीं जाना पड़ेगा। यहां आर्टिफिशियल डेकोरेशन के सबसे आकर्षक और यूनिक प्रोडक्ट मिलेंगे। हमारा मकसद हर घर को खूबसूरत बनाना है।

संचालकों ने बताया कि 'बसेरा डेकोर एंड आर्टिस्टिक' में घर-ऑफिस की सजावट के लिए लेटेस्ट ट्रेंड के प्रोडक्ट रखे गए हैं। प्लांटेशन पॉट से लेकर फैंसी लाइट्स तक, हर चीज एक छत के नीचे मिलेगी।

शांति और सौहार्द के साथ मनाएं मोहर्रम : सरवर

रांचीः मोहर्रम इस्लामिक कैलेंडर का पहला महीना है, जिसे मुस्लिम समुदाय विशेष श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाता है। यह महीना खास तौर पर इमाम हुसैन की कुबार्नी और उनके द्वारा सत्य एवं न्याय के लिए दिए गए बलिदान की याद दिलाता है।

मोहर्रम के अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में पारंपरिक जुलूस निकाले जाते हैं तथा लोग इमाम हुसैन की शहादत को याद कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। इस दौरान राज्य की जनता आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्द के वातावरण में पर्व मनाती है।

समाजसेवी सरवर आलम ने मोहर्रम के अवसर पर लोगों से शांति, सद्भाव और आपसी एकता बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि मोहर्रम हमें त्याग, बलिदान, इंसाफ और मानवता का संदेश देता है। सभी समुदायों के लोगों को मिल-जुलकर इस पर्व को मनाना चाहिए तथा सामाजिक सौहार्द को मजबूत करने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए।

उन्होंने प्रशासन एवं आम नागरिकों से भी सहयोग की अपील करते हुए कहा कि मोहर्रम के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और भाईचारे के माहौल को कायम रखने में सभी की सहभागिता आवश्यक है।

विश्व ओलंपिक दिवस के मौके पर रांची में मैराथन दौड़ का आयोजन

रांचीः झारखंड सरकार के खेलकूद और युवा कार्य निदेशालय तथा रांची जिला खेल कार्यालय के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को विश्व ओलंपिक दिवस 2026 का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिले के विभिन्न सेंटर ऑफ एक्सीलेंस, खेलो इंडिया केंद्रों, आवासीय एवं डे-बोर्डिंग प्रशिक्षण केंद्रों तथा जेएसएसपीएस के सैकड़ों खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य खिलाड़ियों में ओलंपिक मूल्यों, खेल भावना और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

समारोह के मुख्य अतिथि थे पूर्व ओलंपियन मनोहर टोपनोः समारोह के मुख्य अतिथि 1984 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भारतीय हॉकी टीम का प्रतिनिधित्व कर चुके पूर्व ओलंपियन मनोहर टोपनो थे। वहीं खेल उपनिदेशक निर्भय कुमार, रांची के जिला खेल पदाधिकारी शिवेंद्र कुमार सिंह, डीआरडीए के परियोजना निदेशक ऋतुराज तथा जेएसएसपीएस की पुष्पा हांसदा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन अजय झा ने किया।

प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शनः विश्व ओलंपिक दिवस के मौके पर आयोजित विशेष मैराथन दौड़ आकर्षण का केंद्र रही। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। महिला वर्ग में ममता कुमारी ने पहला स्थान प्राप्त किया जबकि रितु कुमारी दूसरे और संजना कुमारी तीसरे स्थान पर रहीं। वहीं पुरुष वर्ग में भारतीय सेना के गुरु लाल सिंह विजेता बने। सेना के ही शारद अहीक ने दूसरा स्थान हासिल किया जबकि जानकी कुमार तीसरे स्थान पर रहे। समारोह में हुआ चार प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का सम्मानः कार्यक्रम का सबसे भावनात्मक और गौरवपूर्ण क्षण वह रहा, जब ओमान में आयोजित अंडर-18 एशिया कप हॉकी प्रतियोगिता में भारत के लिए कांस्य पदक जीतकर लौटीं झारखंड की चार प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। राजकीय आवासीय प्रशिक्षण केंद्र, बरियातू (रांची) की खिलाड़ी नीलम टोपनो, खोली कुमारी, सुगम सांगा और श्रुति कुमारी को उनकी उपलब्धि के लिए मंच पर सम्मानित किया गया। खिलाड़ियों के साथ उनकी कोच करुणा पूर्ति को भी विशेष सम्मान दिया गया।

खिलाड़ियों के लिए अनुशासन, मेहनत और समर्पण जरूरीः इस अवसर पर मुख्य अतिथि मनोहर टोपनो ने खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि झारखंड की धरती हॉकी प्रतिभा की खान है। उन्होंने कहा कि राज्य की बेटियां लगातार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रही है और भविष्य में ओलंपिक जैसे बड़े मंच पर भी देश को गौरवान्वित करेंगी।

वरीय पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, राँची।
सर्वसाधारण के लिए सूचना।

नाम–शिव मंगल यादव उर्फ सन्नी, उम्र–25 वर्ष, ऊँचाई–5 फीट 5 ईंच, रंग–साँवला, पहनावा–नीला टी शर्ट एवं काला रंग का ट्राउजर पहने हुए है।

उपरोक्त लापता व्यक्ति शिव मंगल यादव उर्फ सन्नी, पे0–सुनिल कुमार यादव, पता–साकेत नगर हिनू, डोरण्डा, जिला–राँची जो 12.06.2026 को बगैर बताए कहीं चले जो आजतक अपने घर वापस नहीं आए है। जिसके संबंध में डोरण्डा थाना काण्ड सं0–20/2026, दिनांक–12.06.2026 दर्ज कर इनकी खोजबीन की जा रही है। उपरोक्त सूचना को सार्वजनिक किया जाना आवश्यक है।

अतः सभी जनसाधारण से अनुरोध है कि यदि उपरोक्त लापता व्यक्ति कहीं मिलता/दिखता है तो इसके संबंध में वरीय पुलिस अधीक्षक के कार्यालय में या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी सूचना दें।

Email ID(mc-dcb@jhpolice.gov.in)

पुलिस उपाधीक्षक, हटिया, राँची। –9431706142
थाना प्रभारी, डोरण्डा राँची। –6299551327
आवेदक सुनिल कुमार। –9153539200

वरीय पुलिस अधीक्षक,
राँची।

PR 382915 Police(26-27)D

राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग के आरोप निराधार
प्रमाण हो तो सार्वजनिक करे कांग्रेस : राजद

गुलाम शाहिद

रांचीः झारखंड राज्यसभा चुनाव के बाद कांग्रेस के कुछ नेताओं द्वारा राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर लगाए जा रहे क्रॉस वोटिंग के आरोपों को राजद ने सिरे से खारिज कर दिया है। पार्टी ने इन आरोपों को निराधार, तथ्यहीन और दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा है कि बिना किसी ठोस साक्ष्य के सहयोगी दल पर आरोप लगाना राजनीतिक जिम्मेदारी से बचने का प्रयास है।

राजद झारखंड प्रदेश के प्रवक्ता आबिद अली द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि

यदि किसी के पास क्रॉस वोटिंग से संबंधित कोई ठोस प्रमाण है तो उसे सार्वजनिक किया जाना चाहिए। केवल राजनीतिक अनुमान और अटकलों के आधार पर राजद को कटघरे में खड़ा करना न तो उचित है और न ही गठबंधन की भावना के अनुरूप।

प्रवक्ता ने कहा कि राजद ने हमेशा गठबंधन धर्म का सम्मान किया है और झारखंड सहित पूरे देश में लोकतांत्रिक एवं धर्मनिरपेक्ष मूल्यों की रक्षा के लिए अपने सहयोगी दलों के साथ मजबूती से खड़ा रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी की प्रतिबद्धता गठबंधन की एकजुटता और जनहित के मुद्दों पर साझा संघर्ष के प्रति हमेशा बनी रही है।

राजद ने कांग्रेस समेत सभी सहयोगी दलों से परस्पर सम्मान, विश्वास और संवाद की परंपरा को मजबूत करने की अपील की है। पार्टी का कहना है कि वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों में जनता से जुड़े मुद्दों पर एकजुट होकर संघर्ष करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि गठबंधन के भीतर किसी भी प्रकार की गलतफहमी को संवाद के माध्यम से दूर किया जाना चाहिए और बिना प्रमाण के लगाए गए आरोपों से बचना चाहिए, ताकि विपक्षी एकता और जनहित के मुद्दों पर साझा लड़ाई कमजोर न पड़े।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय रामगढ़।
Email:- sp-ramgarh@jhpolice.gov.in

आवश्यक सूचना
सर्वसाधारण के लिए सूचना
प्रारूप सं0–4
अभियुक्त व्यक्ति की हाजरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा
(धारा 82 देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि वरूण कुमार जयसवाल, पिता–विपिन जयसवाल, सा0–बिरसा मार्केट जनता नगर क्वार्टर न0–डी/293 पतरातु, थाना–पतरातु, जिला–रामगढ़ स्थायी पता– बड़गॉव ठाकुर टोला, थाना–माण्डू (वेस्ट बोकारो) जिला–रामगढ़। ने भारतीय दण्ड संहिता धारा–406/420 भा0द0वि0 के अधीन दंडनीय संज्ञेय, अपराध किया है और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त वरूण कुमार जयसवाल मिल नहीं रहा है, और मुझे समाधानप्रद रूप में यह दर्शित कर दिया गया है कि वरूण कुमार जयसवाल फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामिला से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि पतरातु थाना कांड सं0–53/2024 दिनांक–07.03.2024, धारा–406/42034 भा0द0वि0 के प्राथमिक अभियुक्त वरूण कुमार जयसवाल, पिता–विपिन जयसवाल, सा0–बिरसा मार्केट जनता नगर क्वार्टर न0–डी/293 पतरातु, थाना–पतरातु, जिला–रामगढ एवं स्थायी पता–बड़गॉव ठाकुर टोला, थाना–माण्डु (वेस्ट बोकारो) जिला–रामगढ़ अपेक्षा की जाती है कि वह माननीय न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए (स्थान) व्यवहार न्यायालय, रामगढ़ में तारीख –10.07.2026 को हाजिर हो।

तिथि– 04.06.2026
(न्यायालय का मुहर)

उत्तम सागर राणा
न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी
रामगढ़।

अतः सभी जन साधारण से अनुरोध है कि यदि फरार वरूण कुमार जयसवाल, पिता–विपिन जयसवाल, सा0–बिरसा मार्केट जनता नगर क्वार्टर न0–डी/293 पतरातु, थाना–पतरातु, जिला–रामगढ एवं स्थायी पता–बड़गॉव ठाकुर टोला, थाना–माण्डू (वेस्ट बोकारो) जिला–रामगढ़ कही मिलते/दिखते हैं तो इसके संबंध में पुलिस अधीक्षक कार्यालय,रामगढ़/श्री उत्तम सागर राणा, न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी, रामगढ़, झारखण्ड न्यायालय में इसकी सूचना दें या निम्नांकित फोन नम्बर पर संपर्क कर इसकी जानकारी दें।

पुलिस अधीक्षक रामगढ़ मो0 नं0–9431706113
थाना प्रभारी पतरातु, जिला–रामगढ़ मो0 नं0–9431706322

पुलिस अधीक्षक,
रामगढ़।

PR 382958 (Police) 26-27 (D)

बलिदान दिवस पर याद किए गए जनसंघ के संस्थापक डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी, बीजेपी नेताओं ने अर्पित किए श्रद्धासुमन

संवाददाता

रांचीः भारतीय जनसंघ के संस्थापक डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के बलिदान दिवस पर मंगलवार को रांची समेत पूरे झारखंड में बीजेपी एवं जनसंघ से जुड़े लोगों ने उन्हें याद किया। इस मौके पर रांची के हरमू स्थित डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी पार्क में उनकी प्रतिमा पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू सहित कई नेताओं ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

श्रद्धा सुमन अर्पित करने वालों में संगठन महामंत्री कर्मवीर सिंह, बीजेपी विधायक सीपी सिंह, प्रदेश महामंत्री गणेश मिश्रा, पूर्व मंत्री भानु प्रताप शाही सहित बड़ी संख्या में बीजेपी नेता एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बलिदान दिवस के मौके पर बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी हम सभी के पुरोधा हैं, जिन्होंने देश के लिए जीने का काम किया और देश के लिए मरने का काम किया। ऐसे महापुरुष का बलिदान दिवस हम सभी के लिए प्रेरणा दिवस है। उन्होंने डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी के कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि उनके विचार आज भी प्रासंगिक हैं और हमेशा रहेंगे।

भारत की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय स्वाभिमान की रक्षा हेतु अपना सर्वस्व समर्पित करने वाले जनसंघ के संस्थापक श्रद्धेय डॉ। श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी के 73वें बलिदान दिवस पर आज भाजपा प्रदेश कार्यालय में स्थापित उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

सूक्ति

**सबसे प्रेम करो, कुछ पर विश्वास करो
अन्याय किसी के साथ मत करो : शेक्सपियर**

मानवीय मूल्यों के पतन का आसान शिकार महिलाएं

सामाजिक-आर्थिक परिस्थितियां किस तरह मूल्यों को तहस-नहस करके किसी व्यक्ति को पतन की ओर ले जाती हैं और कैसे किसी एक की बदहाली किसी अन्य के लिए अवैध कमाई का मौका बन जाती है, इसे समझने के लिए दिल्ली के रोहिणी स्थित एक अस्पताल की करतूत को देखा जा सकता है। दिल्ली पुलिस ने शिशुओं की तस्करी करने वाले रैकेट का पदार्फाश किया है। यह रैकेट राजस्थान-गुजरात सहित देश के सुदूर आदिवासी क्षेत्रों में जरूरत की मारी महिलाओं को अपना बच्चा बेचने के लिए प्रोत्साहित करता था तो निःसंतान दंपतियों को बच्चा खरीदने के लिए भी। पूरी प्रक्रिया में महिला डॉक्टर ऐसे निःसंतान दंपतियों को असली माता-पिता साबित करने के उद्देश्य से अपने 'हीरा मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल' का इस तरह इस्तेमाल कर रही थी कि सारे कागजी सबूत खरीदे गए शिशुओं को वैध साबित कर सके और बांझ महिलाओं को सामाजिक तानों से भी बचा सके। देखने वाली बात तो यह भी है कि कैसे आम नागरिक की थोड़ी-सी सजगता अपराध के संगठित नेटवर्क को नेस्तनाबूद कर सकती है। पहाडगंज रेलवे स्टेशन क्षेत्र में एक आम नागरिक ने एक महिला को एक शिशु के साथ जाते देखा था और दो सप्ताह के बाद उसी को किसी दूसरे शिशु के साथ जाते देखा तो संदेह हुआ और उसने पुलिस को सतर्क कर दिया। पुलिस ने महज 15 दिन बाद बड़े रैकेट का भंडाफोड़ कर दिया। तेरह लोगों को गिरफ्तार कर पांच शिशुओं को बचा लिया गया। आशंका है कि अब तक 30 शिशुओं की तस्करी हो चुकी है। जांच में सामने आया कि रैकेट से जुड़े लोग संतान के लिए तरस रहे जोड़ों की पहचान के लिए आइवीएफ केंद्रों और फर्टिलिटी क्लीनिकों पर नजर रखते थे। इन जोड़ों को शिशुओं की पेशकश के साथ-साथ धोखाधड़ी का तरीका भी सिखाते थे। ऐसी महिलाएं अपने नाते-रिश्तेदारों के सामने गर्भवती होने का नाटक करती थीं और अस्पताल में उनकी औपचारिक फाइल खुल जाती थी। सारे कागजी सबूत असली की तरह तैयार किए जाते और समय आने पर तस्करी से लाए गए शिशु उन्हें सौप दिए जाते। इस पूरे प्रकरण में दो अलग-अलग सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि में निवास करने वाली महिलाओं की त्रासदी को संवेदनशील नजरिए से देखने की जरूरत है। एक तरफ पढ़ी-लिखी संभ्रांत और धनी परिवार की महिलाएं हैं जिन्हें कथित बांझपन के उलाहने से इतना डर लगता है कि इससे मुक्ति के लिए उन्हें आपराधिक षड्यंत्र में शामिल होना भी मंजूर है। दूसरी तरफ, गरीब और अनपढ़ आदिवासी महिलाएं हैं जिन्हें अपने कलेजे के टुकड़े को किसी और के हवाले करने से भी परहेज नहीं है। अपने गर्भ में पल रहे 'अजन्मे' की बोली लगाने के उनके निर्णय में कहीं न कहीं बच्चे का भविष्य सुरक्षित रखने की 'ममता' भी शामिल है। यह कहने से गुरेज नहीं करना चाहिए कि दोनों ही पृष्ठभूमि की महिलाएं मानवीय मूल्यों के पतन का 'आसान शिकार' हैं।

मानवीय मूल्यों के पतन का आसान शिकार महिलाएं

सोशल मीडिया कंपनियों को पढ़ाएं जिम्मेदारी का पाठ

दुनिया भर में किए गए वैज्ञानिक अध्ययनों से यह बात साबित हुई है कि सोशल मीडिया पर अधिक बने रहने की लत व्यक्ति में चिंता, अवसाद, नींद व आत्मविश्वास की कमी और आत्मघाती प्रवृत्तियां बढ़ाने वाली साबित हो रही हैं। इटली में एक बारह वर्ष की बच्ची की मौत के बाद इस बच्ची के परिवार समेत कई परिवारों ने मेटा व टिकटॉक के खिलाफ सामूहिक मुकदमा दायर कर आरोप लगाया है कि इन प्लेटफॉर्म्स के एल्गोरिद्म नाबालिगों को अवसाद और आत्म-नुकसान से जुड़ी प्रवृत्ति की ओर धकेलते हैं। दुनिया में कमोबेश सब जगह अभिभावकों की यह चिंता एक जैसी है। भारत जैसे देश में तो यह चिंता और भी इसलिए बढ़ जाती है क्योंकि यहां डिजिटल पहुंच जिस तेजी से बढ़ी है, उसके मुकाबले डिजिटल अनुशासन की बात अभी दूर की कौड़ी साबित हो रही है।

सब जानते हैं कि तकनीक ने हर आयु वर्ग के लिए सीखने के नए अवसर पैदा किए हैं। लेकिन यही तकनीक जब स्वास्थ्य समस्याओं को साथ लेकर आने वाली हो तो इटली के परिवारों जैसा दर्द सामने आना स्वाभाविक है। सोशल मीडिया का मानसिक सेहत पर विपरीत असर क्यों पड़ता है? इस सवाल का जवाब एल्गोरिद्म में छिपा है। सोशल मीडिया कंपनियां अपने एल्गोरिद्म को इस तरह से डिजाइन करती हैं ताकि लोग उनके प्लेटफॉर्म पर ज्यादा से ज्यादा समय तक स्क्रॉल करते रहें। मकसद एक ही है, यूजर को अधिक से अधिक समय तक इंगेज रखने का। उपयोगकर्ता के मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण की परवाह कम और कमाई का जरिया ज्यादा बन गए हैं ये एल्गोरिद्म। इसी के चलते बच्चों को लेकर तो अभिभावकों की यही चिंता नजर आती है कि वे घर में मौजूद तो हैं पर परिवार के साथ नहीं। वह इसलिए कि अभिभावक खुद बच्चों के हाथों में स्मार्टफोन थमा रहे हैं। ये स्मार्टफोन किसी मासूम के हाथों में धारदार वस्तु पहुंचने जैसे हैं। इसी चिंता को देखते हुए इटली में मुकदमा दायर करने वाले परिवार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर नाबालिगों की पहुंच को नियंत्रित करने, जोखिमों की स्पष्ट चेतावनी देने व बच्चों के लिए सुरक्षित प्लेटफॉर्म की मांग कर रहे हैं। टेक कंपनियां भले ही दावा करें कि वे हानिकारक सामग्री हटाने व अभिभावकों को निगरानी के बेहतर साधन उपलब्ध कराने का काम कर रहे हैं लेकिन इन प्रयासों की कछुआ चाल समस्याएं बढ़ाने वाली ही हैं। अब तो एआइ जनित सामग्री के दुरुपयोग का खतरा भी बढ़ गया है। दुनिया भर में सोलह वर्ष से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने की चर्चा के बीच कुछ देशों ने तो इस बाबत कानून भी बनाए हैं। सवाल इस बात का है कि क्या ऐसे प्रतिबंध ही पर्याप्त हैं? वह इसलिए भी कि सोशल मीडिया मंचों पर आयु सत्यापन करने की पुख्ता व्यवस्था अभी तक नहीं हो पाई है। सोशल मीडिया कंपनियों को तो जिम्मेदारी का पाठ पढ़ाना ही है, अभिभावक भी अपनी जिम्मेदारी से बच नहीं सकते।

कारखानों में सुरक्षा की अनदेखी से जा रही कामगारों की जान

भारत की 90 प्रतिशत श्रम शक्ति अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत है, लेकिन वहां मजदूरों की सुरक्षा के नाम पर कुछ नहीं है। यहां मजदूर बिना किसी सुरक्षा उपकरणों के काम करते हैं। औपचारिक क्षेत्र में भी ज्यादातर हादसे रिपोर्ट ही नहीं होते। नियोक्ता, पुलिस और अस्पताल मिलकर मामले को रफा-दफा कर देते हैं। यह स्थिति सिस्टम की गहरी खामी दर्शाती है।

ज्ञान चंद पाटनी

एक तरफ देश को विकसित देश बनाने का सपना देखा जा रहा है, दूसरी तरफ भारत के कारखानों के हालात श्रमिकों के लिए युद्धक्षेत्र जैसे नजर आते हैं। औद्योगिक दुर्घटनाओं में कामगार अपनी जान गंवा रहे हैं। तमिलनाडु के तिरुवल्लूर जिले में एक फैक्ट्री में अमोनिया गैस के रिसाव के कारण श्रमिकों की मौत का ताजा मामला भी इसी बात की पुष्टि कर रहा है। पिछले दिनों विशाखापत्तनम में एक इस्पात संयंत्र में हुए धमाके में भी नौ श्रमिक मारे गए थे। छत्तीसगढ़ में वेदांता पावर प्लांट के बॉयलर विस्फोट में करीब दो दर्जन कामगारों की मौत का मामला भी पुराना नहीं है। देश के विभिन्न भागों में पटाखों की वैध और अवैध फैक्ट्रियों में विस्फोट का सिलसिला भी रुकने का नाम नहीं ले रहा। इन हादसों की कड़ी में याद कीजिए 2019 में दिल्ली की एक फैक्ट्री में हुआ वह भयावह अग्निकांड, जिसमें 43 श्रमिक सोते हुए आग की भेंट चढ़ गए थे।

सुरक्षा के मामले में बरती जा रही लापरवाहीः इन हादसों की पृष्ठभूमि देखें तो एक पैटर्न साफ नजर आता है। कारखानों में बुनियादी सुरक्षा उपायों की अनदेखी हो रही है। भोपाल गैस त्रासदी की यादें अब भी ताजा हैं। 1984 में हुए इस भीषण हादसे ने हजारों परिवारों को तबाह कर दिया था, लेकिन कारखानों में आज भी उसी तरह की लापरवाही बरकरार है। खतरनाक रसायनों का असुरक्षित भंडारण, अपर्याप्त वेंटिलेशन और रखरखाव में लापरवाही जैसी समस्याएं नई नहीं हैं, लेकिन इनकी अब भी अनदेखी की जा रही है। विशाखापत्तनम में हुए हादसे के बाद ट्रेड यूनियनों और पूर्व कर्मचारियों ने आरोप लगाया है कि संयंत्र में उपकरण पुराने हो गए थे। रखरखाव में लापरवाही के साथ ठेके पर रखे गए कर्मचारियों पर निर्भरता बढ़ गई थी। यह वाकई चिंता की बात है कि आजकल खर्च बचाने के लिए ठेके पर कर्मचारी रखने को प्राथमिकता दी जाती है। सरकारी और गैर सरकारी स्तर पर यह प्रवृत्ति तेजी से बढ़ी है। इन कर्मचारियों को पैसा तो कम दिया ही जाता है, उनकी सुरक्षा के मामले में भी हद दर्जे की लापरवाही बरती जाती है। दुनिया के विकसित देशों से तुलना करें तो हमारी स्थिति बहुत ही शर्मनाक है। विकसित देश हादसों से सबक लेते हैं। जैसे 1976 में इटली के सेवेसो में हुए रासायनिक रिसाव के बाद पूरे यूरोपीय संघ के औद्योगिक सुरक्षा ढांचे को नया रूप दिया गया। उसके बाद 2019 से 2022 तक ईयू में औद्योगिक दुर्घटनाओं का वार्षिक औसत महज 22 रहा। वहां हादसे के बाद जांच समितियां केवल खानापूर्ति के लिए गठित नहीं होती हैं, सख्त कार्रवाई होती है और जिम्मेदारों को सजा मिलती है।

भारत में हादसों से सबक लेने की परंपरा नहींः दूसरी तरफ भारत में हादसों से सबक लेने की जैसे परंपरा ही नहीं है। यही वजह है कि अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन भारत को श्रमिकों के लिए सबसे ज्यादा जोखिम वाले देशों में शुमार करता है। नवंबर 2017 में ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल द्वारा जारी की गई एक रिपोर्ट में यह दावा किया गया था कि भारत में हर साल काम के दौरान होने वाले हादसों में करीब 48,000 लोग अपनी जान गंवाते हैं। यह अलग बात है कि भारत सरकार के महानिदेशक कारखाना सलाह सेवा और श्रम संस्थान के आंकड़े बताते हैं कि 2017 से 2020 के बीच पंजीकृत कारखानों में हर साल औसतन 1,109 मौतें हुईं। इन दोनों आंकड़ों में इतना बड़ा अंतर होने का मुख्य कारण यह है कि सरकारी आंकड़े केवल पंजीकृत कारखानों के हैं। भारत के अधिकांश मजदूर असंगठित या अनौपचारिक क्षेत्र में काम करते हैं, जहां सुरक्षा की व्यवस्था बहुत खराब है और दुर्घटनाओं की सूचना ही नहीं मिलती। ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल के अनुसार, कुल मौतों में से सबसे ज्यादा, यानी करीब 24 प्रतिशत मौतें अकेले निर्माण क्षेत्र में काम करने वाले श्रमिकों की होती हैं। यह रिपोर्ट करीब आठ वर्ष पुरानी है, लेकिन अब भी हालात में खास परिवर्तन नहीं हुआ है। ऑटोमोबाइल (कारों, ट्रकों, मोटरसाइकिलों) के लिए आवश्यक कलपुर्जे बनाने वाले ऑटो एंसिलरी उद्योग को तो दुर्घटनाओं का हॉटस्पॉट माना जाता है, वहां हाथ-पैर गंवाने वाले मजदूरों की तादाद बहुत ज्यादा है।

मजदूरों की सुरक्षा के नाम पर कुछ नहींः भारत की 90 प्रतिशत श्रम शक्ति अनौपचारिक क्षेत्र में कार्यरत है, लेकिन वहां मजूदरों की सुरक्षा के नाम पर कुछ नहीं है। यहां मजदूर बिना किसी सुरक्षा उपकरणों के काम करते हैं। औपचारिक क्षेत्र में भी ज्यादातर हादसे रिपोर्ट ही नहीं होते। नियोक्ता, पुलिस और अस्पताल मिलकर मामले को रफा-दफा कर देते हैं। यह स्थिति सिस्टम की गहरी खामी को दर्शाती है। ये हादसे परिवारों को तबाह करते हैं। मजदूरों की मौत से बच्चे अनाथ और महिलाएं विधवा हो जाती हैं। अनौपचारिक श्रमिकों के पास बीमा भी नहीं होता। ऐसी हालत में इनके परिवार भुखमरी का शिकार होते हैं। हादसे के बाद कारखाने पर भी असर पड़ता है। अर्थव्यवस्था को नुकसान होता है, इसलिए कारखानों में सुरक्षा व्यवस्था पर ध्यान देना मजदूरों ही नहीं उद्योगपतियों और पूरे देश के हित में है। असल में हमारी सामूहिक चेतना में आम लोगों के जीवन की कीमत ही नहीं है। फैक्ट्रियों में बुनियादी सुविधाएं जैसे फायर अलार्म और प्रॉपर वायरिंग पर भी खास ध्यान नहीं दिया जाता। निगरानी तंत्र पूरी तरह से चरमरा गया है। कारखानों के निरीक्षण के नाम पर खानापूर्ति हो रही है। जब समस्या को ही नहीं समझा जाएगा, तो समाधान कैसे होगा? तमाम समस्याओं के बावजूद इन हादसों को रोकना कोई असंभव कार्य नहीं है, चाहिए बस सच्ची प्रतिबद्धता। सबसे पहले निगरानी प्रणाली को मजबूत बनाएं। सीसीटीवी, सेंसर और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) से रीयल-टाइम मॉनिटरिंग सुनिश्चित की जाए। स्पार्क-प्रूफ उपकरण, विस्फोट-रोधी वेंटिलेशन सिस्टम और ऑटोमेटिक फायर फाइटिंग यंत्र हर फैक्ट्री में सुनिश्चित किया जाए।

हादसे रोकने में सरकार की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्णः साथ ही श्रमिकों के प्रशिक्षण पर विशेष जोर दें। हर नए मजदूर को जोखिमों की पूरी जानकारी दी जाए, आपातकालीन मॉक ड्रिल कराएं। जरूरत हो तो हेलमेट, दस्ताने, चश्मे, स्पेशल ड्रेस और फर्स्ट एड किट जैसी सुविधाएं उपलब्ध करवाएं। कानूनी सख्ती बढ़ाएं, उल्लंघन पर मालिक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो। व्यावसायिक सुरक्षा, स्वास्थ्य और कार्यदशा (ओएसएच) संहिता, 2020 को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए और अनौपचारिक क्षेत्र को भी इसके दायरे में लाएं। जागरूकता अभियान चलाएं, स्कूलों से लेकर गांवों तक सुरक्षा के महत्त्व को पहुंचाएं। हादसे रोकने में सरकार की भूमिका बेहद महत्त्वपूर्ण है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन के मानकों को अपनाएं। उद्योगपतियों को जिम्मेदार बनाएं। ये कदम न केवल मजदूरों की मौतें रोकेंगे, बल्कि उत्पादकता बढ़ाएंगे, जिससे अर्थव्यवस्था मजबूत होगी और विकसित भारत का सपना साकार होगा। भारत के कारखाने इसलिए खतरनाक हैं क्योंकि जिम्मेदार अधिकारी लापरवाह हैं। उद्योगपति मुनाफे के चक्कर में सुरक्षा पर ज्यादा खर्च करने से बचते हैं। मुआवजा बांटना या शोक सभा करना

स्थायी शांति की नींव या संघर्ष का अस्थायी विराम?

युद्ध के परिणामों का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा लाभार्थी ईरान है। अमरीका और इजरायल के सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद तेहरान न केवल अपने राजनीतिक ढांचे को बचाने में सफल रहा बल्कि उसने अपने विरोधियों को वार्ता की मेज पर आने के लिए भी मजबूर कर दिया। ईरान अब अपने नागरिकों के सामने यह दावा कर सकता है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकत के दबाव के सामने घुटने नहीं टेके।

केएस तोमर

राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के बीच हुआ शांति समझौता उस समय सामने आया जब पश्चिम एशिया युद्ध की लपटों में घिरकर वैश्विक स्थिरता के लिए सबसे बड़ा खतरा बन चुका था। कई सप्ताह तक चली लड़ाई ने क्षेत्र को ऐसे ज्वालामुखी में बदल दिया था, जिसकी हर नई विस्फोटक घटना दुनिया की अर्थव्यवस्था को हिला रही थी। तेल बाजारों में भारी उथल-पुथल थी, निवेशकों में घबराहट बढ़ रही थी और वैश्विक मंदी की आशंकाएं गहराने लगी थीं। ऐसा प्रतीत हो रहा था मानो विश्व अर्थव्यवस्था एक संकरे पुल पर खड़ी हो, जिसके नीचे अनिश्चितता और संकट की गहरी खाई हो। ऐसे में यह समझौता दुनिया को बड़े आर्थिक और सामरिक तूफान से मिली अस्थायी राहत है। यदि संघर्ष और लंबा खिंचता, तो ऊर्जा आपूर्ति, व्यापारिक गतिविधियों और महंगाई पर उसका असर पूरी दुनिया को नई आर्थिक उथल-पुथल की ओर धकेल सकता था। समझौते ने फिलहाल उस खतरे को टाल दिया है, लेकिन इसके राजनीतिक और सामरिक प्रभाव दूरगामी होंगे।

ईरान को बड़ी रणनीतिक बढ़तः सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य यह है कि इस समझौते ने ईरान को बड़ी रणनीतिक बढ़त दिलाई है, अमरीका की वैश्विक प्रतिष्ठा पर प्रश्नचिह्न लगाए हैं, इजराइल को असहज स्थिति में पहुंचाया है और इराक जैसे देशों को लगभग मझधार में छोड़ दिया है। इस समझौते से सबसे अधिक लाभ पाने वाले देशों में भारत प्रमुख है। भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पश्चिम एशिया पर अत्यधिक निर्भर है। युद्ध के दौरान तेल आपूर्ति बाधित होने और कीमतों में भारी वृद्धि की आशंका ने नई दिल्ली की चिंता बढ़ा दी थी। तेल की कीमतों में कुछ ही दिनों के अंतराल में थोड़ी-थोड़ी बढ़ोतरी भी करनी पड़ी थी। शांति समझौते के बाद तेल कीमतों पर दबाव कम होगा, आयात बिल नियंत्रित रहेगा और मुद्रास्फीति के प्रबंधन में सरकार को मदद मिलेगी। खाड़ी देशों में कार्यरत लाखों भारतीयों की सुरक्षा को लेकर बनी चिंताएं भी कम होंगी। इसलिए यह समझौता भारत के लिए आर्थिक और सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण है।

अमेरिका की अजेयता की छवि कमजोरः युद्ध के परिणामों का विश्लेषण किया जाए तो सबसे बड़ा लाभार्थी ईरान है। अमेरिका और इजरायल के सैन्य दबाव, आर्थिक प्रतिबंधों और अंतरराष्ट्रीय अलगाव के बावजूद तेहरान न केवल अपने राजनीतिक ढांचे को बचाने में सफल रहा बल्कि उसने अपने विरोधियों को वार्ता की मेज पर आने के लिए भी मजबूर कर दिया। ईरान अब अपने नागरिकों के सामने यह दावा कर सकता है कि उसने दुनिया की सबसे शक्तिशाली सैन्य ताकत के दबाव के सामने घुटने नहीं टेके। ईरानी नेतृत्व इसे प्रतिरोध की जीत के रूप में पेश करेगा। पश्चिम एशिया और विकासशील देशों में यह धारणा मजबूत होगी कि ईरान ने सैन्य शक्ति से अधिक राजनीतिक धैर्य और रणनीतिक दृढ़ता का परिचय दिया। इस समझौते ने अमरीका की अजेयता की छवि को अवश्य कमजोर किया है। वियतनाम युद्ध, इराक अभियान और अफगानिस्तान से अव्यवस्थित वापसी के बाद यह एक और ऐसा अवसर है जिसने दुनिया को दिखाया कि केवल सैन्य शक्ति हमेशा राजनीतिक परिणाम सुनिश्चित नहीं कर सकती। वाशिंगटन ने दबाव बनाया और अपनी ताकत का प्रदर्शन किया, लेकिन अंततः उसे समझौते का रास्ता अपनाना पड़ा। इससे दुनिया के कई देशों में यह संदेश गया है कि अमरीका अब पहले की तरह अपनी शर्तों पर परिणाम थोपने में सक्षम नहीं रहा। चीन और रूस जैसे प्रतिद्वंद्वी देश इस घटनाक्रम को अमरीकी प्रभाव में आई गिरावट के प्रमाण के रूप में प्रस्तुत करेंगे। यह समझौता केवल एक शांति दस्तावेज नहीं बल्कि बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन का संकेत भी है। डॉनल्ड ट्रंप इस समझौते को अपनी बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि के रूप में पेश करेंगे। वह दावा कर सकते हैं कि उन्होंने एक बड़े युद्ध को रोका, वैश्विक अर्थव्यवस्था को संकट से बचाया और अमेरिकी सैनिकों को लंबे संघर्ष में फंसने से रोक दिया। यदि समझौता सफल रहता है तो इसका राजनीतिक लाभ उन्हें आगामी मध्यावधि चुनावों में भी मिल सकता है।

नेतन्याहू के लिए स्थिति राजनीतिक रूप से असहजः इस पूरे घटनाक्रम में यदि कोई देश सबसे अधिक निराश दिखाई देता है तो वह इजरायल है। प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लंबे समय से यह तर्क देते रहे हैं कि ईरान की परमाणु और मिसाइल क्षमताएं इजरायल के लिए अस्तित्व खतरा हैं। इजरायल को उम्मीद थी कि युद्ध के परिणामस्वरूप ईरान की सामरिक शक्ति को निर्णायक रूप से कमजोर किया जाएगा। लेकिन समझौते के बाद ईरान न केवल कायम है बल्कि स्वयं को विजेता के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। इससे इजरायल के भीतर यह बहस तेज हो सकती है कि क्या अमरीका ने क्षेत्रीय स्थिरता को उसकी सुरक्षा चिंताओं से अधिक महत्त्व दिया। नेतन्याहू के लिए यह स्थिति राजनीतिक रूप से असहज हो सकती है। इस समझौते का एक महत्त्वपूर्ण पहलू इजरायल की स्थिति है।

योग साधना में सम्मान का महत्त्व

श्रीश्री रवि शंकर

चिंतन-मनन

विश्व योग दिवस पर जब हम योग की चर्चा करते हैं, तो प्रायः हमारा ध्यान आसनों, प्राणायाम और शारीरिक स्वास्थ्य पर केंद्रित हो जाता है। निःसंदेह ये योग के महत्त्वपूर्ण आयाम हैं, लेकिन योग का वास्तविक स्वरूप इससे कहीं अधिक व्यापक है। योग केवल शरीर को स्वस्थ रखने की विधि नहीं, बल्कि मन, बुद्धि और चेतना को परिष्कृत करने का विज्ञान है। महर्षि पतंजलि ने योगसूत्र में साधना की सफलता का एक महत्त्वपूर्ण सूत्र दिया है, स तु दीर्घकाल नैरन्तर्य सत्कारासेवितो दृढ़भूमिः। अर्थात योग का अभ्यास तब दृढ़ता से स्थापित होता है, जब उसे लंबे समय तक, बिना किसी अंतराल के और आदर भाव के साथ किया जाए। हममें से अधिकांश लोग जीवन में परिवर्तन तो चाहते हैं, लेकिन उसके लिए आवश्यक निरंतरता नहीं रख पाते। कुछ दिनों तक उत्साहपूर्वक योग, ध्यान या प्राणायाम करते हैं, फिर व्यस्तता, आलस्य या ऊब के कारण उसे छोड़ देते हैं। परिणामस्वरूप साधना का प्रभाव भी क्षीण पड़ जाता है। जीवन की हर महत्त्वपूर्ण उपलब्धि समय मांगती है। एक संगीतकार वर्षों तक रियाज करता है, एक खिलाड़ी प्रतिदिन अभ्यास करता है और एक कलाकार अपनी कला को निखारने में लंबे समय तक समर्पित रहता है। यदि बाहरी कौशल विकसित करने में इतना समय और श्रम लगता है, तो मन और चेतना को विकसित करने के लिए धैर्य और निरंतरता की आवश्यकता और भी अधिक है।

योग का उद्देश्य केवल शरीर को लचीला बनाना नहीं, बल्कि मन को वर्तमान क्षण में स्थिर करना है। सामान्यतः हमारा मन अतीत की स्मृतियों और भविष्य की आशंकाओं के बीच भटकता रहता है। योग हमें वर्तमान में लौटना सिखाता है। वर्तमान में स्थित होना ही शांति, संतोष और आंतरिक स्वतंत्रता का आधार है। किंतु पतंजलि केवल अभ्यास की बात नहीं करते। वे सत्कारासेवितो शब्द का प्रयोग करते हैं, जिसका अर्थ है आदर, श्रद्धा और सम्मान के साथ साधना करना। यही वह बिंदु है जिसे हम अकसर अनदेखा कर देते हैं। जब हम किसी नए कार्य को आरंभ करते है, तो उसमें उत्साह और सजगता होती है। ध्यान के शुरूआती दिनों में गहराई का अनुभव होता है, प्राणायाम में आनंद आता है और साधना ताजगी प्रदान करती है।

आपके पत्र

राष्ट्र निर्माता के रूप में गृहणियों की भूमिका

जून 2026 में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने एक ऐतिहासिक निर्णय देते हुए गृहणियों को राष्ट्र निमार्ता की संज्ञा प्रदान की। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गृहणियों के योगदान को राष्ट्र निर्माण से जोड़ते हुए उन्हें राष्ट्र निमार्ता कहना न केवल महिलाओं के सम्मान का प्रतीक है, बल्कि समाज की सोच में सकारात्मक परिवर्तन का भी संकेत है। यह महत्वपूर्ण फैसला सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ ने सुनाया।

दोनों न्यायाधीशों ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि गृहणियां केवल घर संभालने वाली महिलाएं नहीं हैं, बल्कि वे राष्ट्र निर्माण की आधारशिला हैं। यह मामला वर्ष 2001 में पंजाब में हुई एक सडक दुर्घटना से जुड़ा था। दुर्घटना में रेशमा नामक महिला की मृत्यु हो गई थी। उसके पति और बच्चों ने मुआवजे की मांग की थी। उच्च न्यायालय के बाद अब जब यह मामला सुप्रीम कोर्ट में पहुंचा, तो महिला के परिजनों को न्याय मिला।

मीनाक्षी सहाय, रांची

मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।
प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website : www.metrorays.in**
email : metrorays.ranchi@gmail.com

न्यूज IN ब्रीफ

मारपीट मामले का आरोपी गिरफ्तार भेजा जेल

साहिबगंज : नगर थाना क्षेत्र के सकरोगढ़ निचला टोला निवासी मोहम्मद शमशेर को जमीन विवाद में हुई मारपीट के मामले में नगर थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। थाना प्रभारी अमित कुमार गुप्ता ने बताया कि कांड संख्या 83/26 के आरोपी मोहम्मद शमशेर की गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

बंद घर का ताला तोड़ तीन लाख के जेवरात की चोरी

साहिबगंज: नगर थाना क्षेत्र के मास्टर कॉलोनी में बंद पड़े एक मकान का ताला तोड़कर अज्ञात चोरों ने करीब तीन लाख रुपये मूल्य के सोने के जेवरात की चोरी कर ली। चोरी की पूरी वारदात घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। फुटेज में तीन नकाबपोश बदमाश चोरी करते स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान में जुट गई है।जानकारी के अनुसार, मकान पलामू जिले में पदस्थापित ब्लॉक को-ऑपरेटिव ऑफिसर संजय कुमार चंद्रवंशी का है। घटना के समय परिवार घर से बाहर था। पड़ोसियों ने घर का ताला टूटा देखा तो इसकी सूचना परिजनों को दी। घर पहुंचने पर मुख्य दरवाजे के साथ-साथ अलमारी का ताला भी टूटा मिला। अलमारी में रखे सोने का टीका, मंगलसूत्र समेत अन्य कीमती जेवरात गायब थे। चोरी गए सामान की अनुमानित कीमत करीब तीन लाख रुपये बताई गई है।सीसीटीवी फुटेज के अनुसार, घटना 18 जून की रात करीब एक बजे की है। तीनों बदमाश घर के पीछे की चारदीवारी फांदकर परिसर में दाखिल हुए। इसके बाद मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर घर के अंदर प्रवेश किया। प्रथम तल पर स्थित कमरे की अलमारी को कटर या अन्य औजार से तोड़कर उसमें रखे जेवरात समेत लिए और फरार हो गए। वारदात के दौरान तीनों बदमाशों ने अपने चेहरे कपड़े से ढक रखे थे तथा कैमरे की नजर से बचने का भी प्रयास किया।घटना की सूचना मिलते ही नगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। थाना प्रभारी अमित गुप्ता ने बताया कि पुलिस सभी बिंदुओं पर जांच कर रही है। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की पहचान की जा रही है। जल्द ही मामले का खुलासा कर आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना के बाद मास्टर कॉलोनी और आसपास के लोगों में दहशत का माहौल है। लगातार हो रही चोरी की घटनाओं से स्थानीय लोगों ने रात्रि गश्ती बढ़ाने और चोरों की शीघ्र गिरफ्तारी की मांग की है।

बीच सड़क पर खराब हुआ 18 चक्का ट्रक, एक घंटे तक एनएच 80 रहा जाम

साहिबगंज : मुफस्सिल थाना क्षेत्र के महादेवगंज चौक के समीप शुक्रवार को पत्थर लदा 18 चक्का ट्रक बीच सड़क पर खराब हो जाने से राष्ट्रीय राजमार्ग-80 पर करीब एक घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही।

जानकारी के अनुसार, ट्रक का चक्का खराब हो जाने के कारण वह आगे बढ़ने में असमर्थ हो गया। सड़क के बीचोंबीच ट्रक के खड़े हो जाने से भारी वाहनों की लंबी कतार लग गई। हालांकि छोटे वाहनों का आवागमन वैकल्पिक तरीके से जारी रहा।

सूचना मिलने पर मुफस्सिल थाना पुलिस मौके पर पहुंची और यातायात व्यवस्था संभाली। ट्रक मिस्त्री को बुलाकर वाहन की मरम्मत कराई गई, जिसमें लगभग एक घंटे का समय लगा। इसके बाद ट्रक को हटाकर यातायात सामान्य कराया गया।मुफस्सिल थाना प्रभारी अनीष पांडे ने बताया कि ट्रक खराब होने के कारण जाम की स्थिति उत्पन्न हुई थी। मिस्त्री द्वारा वाहन को ठीक कराने के बाद सड़क पर यातायात पूरी तरह सामान्य हो गया।

बाइक दुर्घटना से तीन लोगों की हुई मौत

साहिबगंज/बरहरवा : बरहरवा-फरक्का मुख्य पथ में बाइक दुर्घटना से तीन लोगों का मौत घटनास्थल पर हुआ है।जबकि एक बच्ची घायल हुई है।जानकारी अनुसार बरहरवा थाना क्षेत्र के साहेबडंगा गांव के बदरुल शेख के पुत्र इस्माइल शेख 22 वर्ष अपने माता आएशा बीबी 45 वर्ष पुत्री रुली खातून 18 वर्ष पुत्री पांच वर्षिय मर्जिया खातून के साथ सुबह पश्चिम बंगाल के धुलियान गए थे। इस दौरान रुली खातून को डॉक्टर दिखाकर शाम लगभग चार बजे बाइक पंजीकरण संख्या जेएच18पी 3323 स्प्लेंडर से वापस अपना घर लौट रहे थे।इस दौरान बरारी पंचायत भवन के निकट टर्निंग पर ट्रक संख्या जेएच 16 एच 0025 के चपेट में आ गया।मौके पर आएशा बीबी,रुली खातून,इस्माइल शेख का घटनास्थल पर मौत हो गया। वही घायल मर्जिया खातून को बरहरवा सीएचसी ले जाया गया।वहाँ डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार किया।उधर,गुस्साये ग्रामीणों ने बरहरवा-फरक्का मुख्य पथ को जाम कर दिया।उधर,घटना की सूचना मिलने पर बरहरवा थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह,एसआई अनिल यादव,रंजय यादव,राजनाथ साव दलबल के साथ घटनास्थल पहुँच गए। ग्रामीणों को समझबुझा कर सड़क जाम को समाप्त कराया। थाना प्रभारी सुमित कुमार सिंह ने कहा कि शव को कब्जे में ले लिया गया है,एवं विधिवत कार्यवाही के तहत ट्रक को जप्त कर मामले की छानबीन की जा रही है।

प्राण प्रतिष्ठा और संध्या में भोग का होगा वितरण

साहिबगंज : नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत हरिपुर शिवालय में पांच दिवसीय राधा कृष्ण,गणेश भगवान एवं बजरंगबली का मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा समारोह पूजन के दूसरे दिन सोमवार को मूर्ति को नगर भ्रमण कराया गया।मंदिर के मुख्य पुरोहित सुनील पंडित ने बताया कि पहले दिन 501 कलश के कलश यात्रा निकाला गया।दूसरे दिन मंदिर में वैदिक मंत्रोचारण के साथ विधिवत रूप से पूजन किया गया ओर संध्या बेला में भगवान गणेश,राधा कृष्णा,बजरंगबली की मूर्ति को फूलों से सजे रथ में सवार करके ढोल नगाड़ा गाजे बाजे के साथ श्रद्धालुओं ने झूमते नाचते गाते नगर भ्रमण कराया।जिसमें महिला पुरुष श्रद्धालु काफी संख्या में शामिल थे।वही 23 जून को वैदिक मंत्रोचारण से विधिवत पूजन करके फलाधिवास, 24 जून को अन्नाधिवास,पुष्पाधिवास, सज्जा अधिवास व फलाधिवास होगा। 25 जून को प्राण प्रतिष्ठा व संध्या में भोग वितरण किया जाएगा।मौके पर पप्पू स्वर्णकार,संतोष मोदी,श्रवण मोदी,कुंदन साह,संजय यादव,नीरज कुमार,मुन्ना यादव,आशीष यादव,राजा सहित सैकड़ो की संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।

योजनाओं से संबंधित सभी प्रारंभिक तैयारियां पूर्ण करें : उपायुक्त

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दीपक कुमार दुबे की अध्यक्षता में कृषि विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं, खरीफ मौसम की तैयारियों, उर्वरक उपलब्धता, बीज वितरण,व कृषि ऋण से संबंधित कार्यों की विस्तृत समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी सहित विभागीय पदाधिकारियों ने योजनाओं की प्रगति से अवगत कराया। इस दौरान उपायुक्त द्वारा जिले में उर्वरकों की खपत जमाखोरी डायवर्जन एवं कालाबाजारी की रोकथाम हेतु की जा रही कार्रवाई की समीक्षा की गई। जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि जिला स्तर पर गठित संयुक्त प्रवर्तन टीम द्वारा बड़हरवा प्रखंड में 02, बरहेट प्रखंड में 13 और राजमहल प्रखंड में 02 उर्वरक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया है। निरीक्षण के क्रम में विभिन्न अनियमितताओं के कारण कुल 05 उर्वरक प्रतिष्ठानों को कारणपृच्छा नोटिस जारी किया गया है। उपायुक्त ने जिले के सभी उर्वरक विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों का नियमित व सघन निरीक्षण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जबकि किसानों को निर्धारित मूल्य पर गुणवत्तापूर्ण उर्वरक उपलब्ध कराने पर बल दिया। जिससे खरीफ मौसम के अंतर्गत बीज विनिमय वितरण कार्यक्रम की भी समीक्षा की गई। जिला कृषि पदाधिकारी ने बताया कि बीज विनिमय एवं वितरण योजना के अंतर्गत वर्तमान खरीफ मौसम हेतु धान बीज प्रभेद एमटीयु-7029 का 2500 क्विंटल, प्रभेद एमटीयु-1010 का 100 क्विंटल प्रमाणित बीज, संकर धान बीज प्रभेद एआरआईजैडइ-6444-गोल्ड का 100 क्विंटल एस एडब्लुए -7301 का 100 क्विंटल आवंटन प्राप्त हुआ है। उपायुक्त ने समयबद्ध तरीके से किसानों के बीच बीज वितरण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन के अंतर्गत संचालित बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में जिले को कुल 1270 मिट्टी नमूना संग्रहण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है।जिसमे 250 नमूने संग्रहित किए जाने हैं। प्राप्त लक्ष्य को प्रखंडवार निर्धारित करते हुए मिट्टी नमूना संग्रहण कार्य प्रारंभ करने हेतु आवश्यक निर्देश जारी कर दिए गए हैं।किसान क्रेडिट कार्ड योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 का लक्ष्य अभी प्राप्त नहीं हुआ है। वर्तमान वित्तीय वर्ष में कुल 1009 किसान क्रेडिट कार्ड आवेदन विभिन्न बैंकों को प्रेषित किए गए हैं।जिनमें से 984 आवेदनों को स्वीकृति प्रदान करते हुए 697.92 लाख रुपये का कृषि ऋण वितरित किया गया है। उपायुक्त ने पात्र किसानों को योजना से जोड़ने व लंबित मामलों का त्वरित निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।किसान समृद्धि योजना की समीक्षा में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 के लंबित लक्ष्यों के साथ वर्ष 2025-26 के 70 लक्ष्यों को जोड़ते हुए जिले का कुल लक्ष्य 407 निर्धारित किया गया है। इसके विरुद्ध अब तक 905 आवेदन सृजित किए जा चुके हैं।जिनमें से 774 आवेदनों का ई-केवाईसी पूर्ण हो चुका है। लक्ष्य 407 के विरुद्ध 368 किसानों को कायार्देश जारी किया जा चुका है। शेष 39 इकाइयों के लिए इच्छुक किसानों से अंशदान प्राप्त कर कायार्देश निर्गत करते हुए कार्य पूर्ण किया जाएगा।डिजिटल क्रॉप सर्वे योजना की समीक्षा के दौरान बताया गया कि खरीफ मौसम 2026-27 के लिए जिले को अभी तक लक्ष्य प्राप्त नहीं हुआ है। उपायुक्त ने योजना से संबंधित सभी प्रारंभिक तैयारियां पूर्ण रखने का निर्देश दिया ताकि लक्ष्य प्राप्त होते ही कार्य प्रारंभ किया जा सके।उपायुक्त ने बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों को कृषि विभाग की सभी योजनाओं का लाभ पात्र किसानों तक समयबद्ध, पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाने, नियमित मॉनिटरिंग करने और सरकार की प्राथमिकता वाली योजनाओं के क्रियान्वयन में अपेक्षित प्रगति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।बैठक में जिला कृषि पदाधिकारी प्रमोद एक्का, जिला उद्यान पदाधिकारी अमितेश कुमार,आत्मा पदाधिकारी सहित एटीएम बीटीएम एवं अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

कानून-व्यवस्था भंग करने का प्रयास करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा : सुशील कुमार

संवाददाता

साहिबगंज : आगामी 26 और 27 जून को मनाए जाने वाले मोहर्रम पर्व को शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने को लेकर मुफस्सिल थाना परिसर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी एसडीपीओ सुशील कुमार ने की। बैठक में मोहर्रम कमेटी के पदाधिकारियों, शांति समिति के सदस्यों एवं पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। इस संबंध में संबोधित करते हुए एसडीपीओ सुशील कुमार ने कहा कि मोहर्रम का पर्व आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के साथ मनाएं। उन्होंने कहा कि जुलूस का संचालन प्रशासन द्वारा निर्धारित रूट एवं लाइसेंस में अंकित समय के अनुसार ही किया जाएगा। किसी भी प्रकार की मनमानी हुड़दंग या कानून-व्यवस्था भंग करने का प्रयास करने वालों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे लोगों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने या भ्रामक संदेश प्रसारित करने वालों पर प्रशासन की कड़ी नजर रहेगी। आम लोगों से अपील की कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि या सूचना की तत्काल पुलिस को जानकारी दें। उन्होंने सभी से आपसी समन्वय बनाए रखते हुए पर्व को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने में प्रशासन का सहयोग करने की अपील की।मौके पर मुख्य रूप से झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रखंड अध्यक्ष अमरदीप सिंह, मोहम्मद नईम अंसारी, मोहम्मद हनन डीलर, मोहम्मद काजू सहित शांति समिति के कई सदस्य उपस्थित थे।

पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार आज विकसित भारत के ओर अग्रसर है : पूर्व विधायक

संवाददाता

साहिबगंज : केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के 12 वर्ष सेवा सुशासन जनकल्याण के पूरे होने पर राजमहल विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक अनंत कुमार ओझा प्रगति पथ यात्रा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष अनुराग राहुल के नेतृत्व में निकाला। यात्रा के दौरान साहिबगंज मनिहारी गंगा पुल निर्माण कार्य का प्रगति देखा। वर्षो का सपना अब साकार हो रहा है। भारतीय जनता पार्टी के कार्यकताओं ने केंद्र सरकार की ओर से चल रही योजनाओं को जनता के बीच बताया। पीएम मोदी के नेतृत्व वाली सरकार आज विकसित भारत के ओर अग्रसर है।साहिबगंज में गंगा पुल निर्माण, मल्टी मॉडल बंदरगाह निर्माण,गरीबों को पक्का आवास देने का कार्य सहित सैकड़ो योजना,प्रधानमंत्री आवास योजना,उज्वला योजना,पीएम किसान सम्मान निधि योजना

सहित केंद्र सरकार की ओर से चलाई जा रही योजनाओं के बारे में बताया।वही पूर्व विधायक ने पीएम किसान सम्मान निधि योजना के लाभार्थी जगदीश यादव को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया और प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थी शिव मंडल को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।मौके पर साहिबगंज ग्रामीण प्रखंड के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष अरविंद गुप्ता,महामंत्री ओम प्रकाश पांडे,राम प्रताप चौधरी,मंडल उपाध्यक्ष अमरनाथ चौधरी,अभय पासवान, पवन यादव,राजीव कुमार, कुंदन मंडल, अनूप लाल महतो, मुरारी चौधरी,मनोज कुमार यादव,यशवंत पासवान,विकास पासवान, अभिनंदन कुमार,कन्हाई मंडल, महेश मंडल, मंटू मंडल, सुनील कुमार यादव, जयकांत वर्मा, दुखन मंडल, राजीव मंडल, निरंजन यादव, तपेश मंडल,गणेश सिंह,उपेंद्र सिंह सैकड़ों कार्यकर्ता व आम जन उपस्थित थे।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भ्रामक आपत्तिजनक अफवाह फैलाने वाले पर प्रशासन की कड़ी नजर रहेगी : उपायुक्त

शांति सौहार्द और विधि-व्यवस्था बनाए रखने हेतु प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद

किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी

संवाददाता

साहिबगंज : आगामी मुहर्रम पर्व-2026 को शांतिपूर्ण और सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से समाहरणालय सभागार में जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त दीपक कुमार दूबे ने की। बैठक में जिले के वरीय प्रशासनिक व पुलिस पदाधिकारियों, शांति समिति के सदस्यों तथा विभिन्न प्रखंडों के पदाधिकारियों ने प्रत्यक्ष एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से भाग लिया।उपायुक्त दीपक कुमार दूबे ने कहा कि मुहर्रम पर्व को लेकर जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क एवं मुस्तैद है। उन्होंने सभी विभागों को निर्धारित दायित्वों का निर्वहन समयबद्ध सुनिश्चित करने का निर्देश देते हुए कहा कि सुरक्षा निगरानी जनसुविधाओं से संबंधित सभी व्यवस्थाएं सुदृढ़ रखी जाएं। उन्होंने कहा कि मुहर्रम पर्व के दौरान जिले में शांतिपूर्ण वातावरण बनाए रखने के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है तथा किसी भी प्रकार की अव्यवस्था या विधि-व्यवस्था संबंधी स्थिति से निपटने हेतु पर्याप्त प्रबंध किए गए हैं। जिले के सभी थाना प्रभारियों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने थाना क्षेत्रों में शांति समिति की बैठकें ससमय आयोजित कर स्थानीय जनप्रतिनिधियों समुदाय के प्रबुद्ध नागरिकों के साथ समन्वय स्थापित करें। उन्होंने मुहर्रम जुलूस व ताजिया यात्रा के निर्धारित मार्ग समय पर सभी आवश्यक अनुमतियों एवं सुरक्षा मानकों का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।बैठक में मुहर्रम जुलूस मार्गों के सत्यापन की विस्तृत समीक्षा की गई। उपायुक्त ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि सभी जुलूस मार्गों का भौतिक सत्यापन कर साफ-सफाई, पेयजल एवं प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि जुलूस मार्गों पर किसी प्रकार का अवरोध निर्माण सामग्री विद्युत संबंधी खतरे इत्यादि का संबंधित पदाधिकारी तत्काल संज्ञान लेकर सुधारात्मक कार्रवाई करें ।सुरक्षा व्यवस्था को लेकर उपायुक्त ने कहा कि संवेदनशील व अतिसंवेदनशील क्षेत्रों की पहचान कर वहां अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिया कि जुलूस मार्गों एवं भीड़भाड़ वाले स्थलों की निगरानी सीसीटीवी कैमरों तथा ड्रोन कैमरों के माध्यम से की जाए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना की स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके। सोशल मीडिया के दुरुपयोग को रोकने पर विशेष बल दिया गया। उपायुक्त ने कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भ्रामक आपत्तिजनक अथवा अफवाह फैलाने वाली सामग्री पर प्रशासन की कड़ी नजर रहेगी। ऐसे मामलों में संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सभी नागरिकों से भी अपील की कि किसी भी अपुष्ट सूचना पर विश्वास न करें शांति एवं सद्भाव बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।स्वास्थ्य सुविधाओं की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि मुहर्रम के दौरान आपातकालीन चिकित्सा व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाए। उन्होंने आवश्यकतानुसार विभिन्न स्थलों पर एंबुलेंस सहित चिकित्सा दल की प्रतिनियुक्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जा सकें। जबकि ध्वनि विस्तारक यंत्रों एवं डीजे के उपयोग से संबंधित दिशा-निर्देशों पर भी चर्चा की गई। उपायुक्त ने अनुमंडल पदाधिकारी को निर्देश दिया कि इस संदर्भ में माननीय उच्च न्यायालय एवं सरकार द्वारा जारी निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाए। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि माननीय उच्च न्यायालय के आदेश एवं जेबीभीएनएल के एसओपी के अनुरूप मुहर्रम पर्व के दौरान जन सुरक्षा के दृष्टिकोण से जुलूस में शामिल झंडे, ताजिया की अधिकतम ऊँचाई जमीन से 13 फीट तक ही सीमित रहेगी। साथ ही जुलूस में शामिल वाहनों की छत पर किसी भी व्यक्ति के बैठने पर प्रतिबंध रहेगा। प्रशासन ने सभी आयोजकों से निर्देशों का पालन करने की अपील की है।सामुदायिक सहभागिता के महत्व पर बल देते हुए उपायुक्त ने कहा कि शांति एवं सौहार्द बनाए रखने में समाज के सभी वर्गों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उन्होंने जिला अनुमंडल व थाना स्तर पर गठित शांति समितियों को सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक में उपस्थित व्यक्तियों एवं शांति समिति के सदस्यों ने भी प्रशासन को पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया तथा पर्व को सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न कराने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।मुहर्रम पर्व के दौरान प्रभावी निगरानी एवं त्वरित सूचना संप्रेषण के लिए जिला स्तर पर नियंत्रण कक्ष कंट्रोल रूम स्थापित किए जाने का निर्देश दिया गया । नियंत्रण कक्ष के माध्यम से पूरे जिले की गतिविधियों पर सतत निगरानी रखी जाएगी किसी भी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। जिला प्रशासन ने जिलेवासियों से अपील की है कि मुहर्रम पर्व को आपसी भाईचारे, शांति एवं सौहार्द के वातावरण में मनाएं तथा किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न देते हुए प्रशासन का सहयोग करें।बैठक में उप विकास आयुक्त सतीश चंद्रा, अपर समाहर्ता विजय कुमार अनुमंडल पदाधिकारी अमर जॉन आइन्द, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी साहिबगंज, राजमहल व बड़हरवा, सिविल सर्जन डॉ रामदेव पासवान, सभी थाना प्रभारी तथा वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रखंड विकास पदाधिकारी एवं अंचलाधिकारी सहित अन्य संबंधित पदाधिकारी उपस्थित रहे।

कम उम्र में ही दीया मिर्जा ने पूरा किया सपना, 19 साल की उम्र में तुमको ना भूल पाएंगे फिल्म की फीस से खरीदा था घर

फराह खान अपनी यूट्यूब वीडियो के द्वारा आए दिन किसी न किसी सेलिब्रिटी के घर की सैर कराती रहती हैं। अब हाल ही में फराह खान ने फैंस को एक्ट्रेस दिया मिर्जा का घर दिखाया। इस व्लॉग में दिया मिर्जा ने बताया कि 19 साल की उम्र में ये घर मैंने खुद खरीदा था और अपना घर खरीदने वाली पूरे परिवार में मैं पहली लड़की थी। इसके बाद दिया ने बताया कि 'तुमको ना भूल पाएंगे' फिल्म की फीस से उन्होंने इस सपने को साकार किया। ये सुनके फराह खान के चेहरे पर काफी खुशी थी।

ऐसा दिखता है दीया मिर्जा का घरः दीया मिर्जा ने बताया कि यह मकान उनके लिए सिर्फ एक घर नहीं बल्कि एक शांति का ठिकाना है। जब भी वो उदास या अकेला फील करती हैं तो यहां आ जाती हैं। उनका यह खूबसूरत आशियाना बड़ी-बड़ी खिड़कियों से आने वाली प्राकृतिक रोशनी और हरियाली से भरपूर पौधों की वजह से बेहद सुकूनभरा और आकर्षक नजर आता है।

लिविंग रूमः फराह खान ने दीया मिर्जा के घर के हर कोने को दिखाया। दीया ने अपने घर को बहुत ही एंटीक स्टाइल में सजाया हुआ है। उनके घर का हर एक कोना हरियाली से सजा हुआ है और उनके घर में एक पर्सनल लाइब्रेरी भी है। इसी के साथ उनके घर पर एक बहुत ही सुन्दर जगह भी बनी हुई है, बारिश के दिनों में यहां बैठ कर आनंद लिया जा सकता है।

लंदन स्टाइल की रसोई ने जीता फराह खान का दिल :दीया मिर्जा के घर का सबसे पसंदीदा हिस्सा फराह खान को उनका किचन लगा। किचन को देखते ही फराह ने मजाकिया अंदाज में कहा, वाह, यह तो बिल्कुल लंदन वाले किचन जैसा लग रहा है। यह विशाल और खुला किचन अपने आकर्षक डिजाइन के लिए खास नजर आता है, जहां गहरे भूरे रंग की कैबिनेट्स और सफेद टाइल्स इसकी खूबसूरती को और बढ़ाते हैं। वहीं, किचन में रखे पारंपरिक मिट्टी के मर्तबान इसकी सादगी और देसी अंदाज को भी बखूबी दशार्ते हैं।

पंचायत सीजन 5 में आएंगे बड़े ट्विस्ट, फुलेरा की राजनीति और रोमांच बढ़ेगा, एक्टर्स ने दिए संकेत

टीवीएफ की लोकप्रिय वेब सीरीज पंचायत एक बार फिर चर्चा में है। इसके आगामी सीजन पंचायत सीजन 5 को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। हाल ही में एक समिट के दौरान शो के कलाकार दुर्गेश कुमार (भूषण उर्फ बनराकस), सुनीता राजवार (क्रांति देवी) और अशोक पाठक (बिनोद) ने सीरीज के अगले चैप्टर को लेकर कुछ अहम संकेत दिए। हालांकि उन्होंने कहानी के बड़े खुलासों से बचते हुए यह जरूर कहा कि इस बार फुलेरा में दर्शकों को पहले से ज्यादा मनोरंजन और नए ट्विस्ट देखने को मिलेंगे।

फुलेरा की सत्ता और बदलते समीकरणः अभिनेताओं ने संकेत दिया कि पिछली घटनाओं के बाद फुलेरा के राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल चुके हैं। दुर्गेश कुमार ने मजाकिया अंदाज में कहा कि ज्यादा कुछ बताने से शो का मजा खराब हो जाएगा, लेकिन इस बार कहानी और भी दिलचस्प होने वाली है। वहीं अशोक पाठक ने भी कहा कि नया सीजन अलग अंदाज और ज्यादा रोमांच के साथ आएगा, जिससे दर्शकों को एक नया अनुभव मिलेगा।

क्रांति देवी और कलाकारों की प्रतिक्रियाः सुनीता राजवार ने शो की कहानी पर ज्यादा खुलासा करने से इनकार करते हुए कहा कि लेखकों ने इस बार भी गांव की सादगी और हास्य को बरकरार रखते हुए कहानी को आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि दर्शकों के लिए असली मजा स्क्रीन पर ही देखने में है, इसलिए पहले से कुछ भी बताना ठीक नहीं होगा। कलाकारों ने मिलकर यह भी इशारा किया कि नया सीजन फुलेरा की सत्ता और उप-प्रधान को लेकर बड़े रहस्यों से पर्दा उठाएगा।

लोकप्रियता और दर्शकों की उम्मीदेंः पंचायत साल 2020 में शुरू हुई थी और अपनी सरल, हास्यपूर्ण और भावनात्मक कहानी की वजह से यह भारत की सबसे पसंदीदा वेब सीरीज में शामिल हो चुकी है। इसे कई प्रतिष्ठित अवॉर्ड्स भी मिल चुके हैं और सोशल मीडिया पर भी इसकी जबरदस्त फैन फॉलोइंग है। अब पंचायत सीजन 5 को लेकर दर्शकों को उम्मीद है कि यह कहानी को एक नए मोड़ पर ले जाएगा, हालांकि इसकी रिलीज डेट को लेकर अभी आधिकारिक घोषणा बाकी है।

राजकुमार हिरानी के बेटे वीर हिरानी प्रीतम एंड पेड्रो से शुरू कर रहे हैं अपना नया सफर

राजकुमार हिरानी के बेटे वीर हिरानी अपनी आगामी ओटीटी सीरीज प्रीतम एंड पेड्रो से ओटीटी डेब्यू करने जा रहे हैं। इस सीरीज में उनके साथ अरशद वारसी, विक्रांत मैसी, बोमन ईरानी और मोना सिंह भी नजर आएंगे। फादर्स डे के मौके पर वीर ने अपने पिता के साथ सेट से एक खास बिहाइंड-द-सीन्स वीडियो साझा किया, जिसमें राजकुमार हिरानी उन्हें डायरेक्ट करते दिखाई दे रहे हैं। इस पोस्ट में वीर ने अपने पिता को मेरे जन्म और मेरे रोजगार के जिम्मेदार व्यक्ति बताया।

म्मशहूर निर्देशक राजकुमार हिरानी के बेटे वीर हिरानी जल्द ही ओटीटी की दुनिया में कदम रखने जा रहे हैं। उनकी पहली ओटीटी सीरीज प्रीतम एंड पेड्रो में अरशद वारसी भी अहम भूमिका निभा रहे हैं। इस प्रोजेक्ट के साथ वीर और अरशद एक बार फिर स्क्रीन पर साथ नजर आएंगे। इससे पहले फिल्म मुन्ना भाई एमबीबीएस में वीर ने अरशद के बेटे का किरदार निभाया था।

वीर ने अपनी आगामी सीरीज के सेट से कुछ बिहाइंड-द-सीन्स वीडियो साझा किए हैं, जिनमें उनके पिता राजकुमार हिरानी उन्हें डायरेक्ट करते दिखाई दे रहे हैं। यह सीरीज 3 जुलाई को रिलीज होने वाली है।

प्रीतम एंड पेड्रो ओटीटी की दुनिया में वीर हिरानी की पहली पेशकश है। हाल ही में राजकुमार हिरानी के स्ट्रीमिंग डेब्यू प्रीतम एंड पेड्रो का ट्रेलर रिलीज किया गया, जिसे दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला। ट्रेलर में हास्य, साइबर क्राइम और रहस्य का दिलचस्प मिश्रण देखने को मिलता है।

इस सीरीज में वीर हिरानी, अरशद वारसी, विक्रांत मैसी, बोमन ईरानी और मोना सिंह प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। मजेदार अंदाज में किरदारों का परिचय करवाने वाला ट्रेलर मनोरंजक और रहस्य से भरपूर है। साथ ही, इसमें वीर हिरानी एक बिल्कुल अलग अवतार में दिखाई देंगे।

अगर वीर के अब तक के सफर पर नजर डालें, तो उन्होंने लंदन की प्रतिष्ठित रॉयल एकेडमी ऑफ ड्रामेटिक आर्ट से पढ़ाई की है। कम उम्र से ही वह कहानी कहने और अभिनय की दुनिया में सक्रिय रहे हैं। महज 14 साल की उम्र में उन्होंने अपनी पहली शॉर्ट फिल्म रिटर्न गिफ्ट का निर्देशन किया था, जिसे इंटरनेशनल चिल्ड्रन्स फिल्म फेस्टिवल ऑफ इंडिया में प्रदर्शित किया गया था।

उनकी शॉर्ट फिल्म द ऑबिच्युरी को भी ऑनलाइन काफी सराहना मिली और इसे व्यापक रूप से साझा किया गया। इसके अलावा, वीर ने थिएटर और अभिनय के क्षेत्र में भी सक्रिय रूप से काम किया है। उन्होंने फिरोज अब्बास खान द्वारा निर्देशित नाटक लेटर ऑफ सुरेश में भी अभिनय किया था।

अब जब प्रीतम एंड पेड्रो को लेकर दर्शकों के बीच उत्साह बढ़ रहा है, तो यह जानना दिलचस्प होगा कि राजकुमार हिरानी, विक्रांत मैसी और अरशद वारसी, वीर के रचनात्मक सफर, एक कलाकार के रूप में उनके विकास और नई पीढ़ी के कहानीकार के रूप में उनके दृष्टिकोण के बारे में क्या सोचते हैं।

टीम इंडिया को बड़ा झटका, आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे से बाहर हुए नीतीश कुमार रेड्डी

मुबईः इंग्लैंड और आयरलैंड दौरे से पहले टीम इंडिया को बड़ा झटका लगा है। टीम के ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी दौरे से बाहर हो गए हैं। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) सूत्रों के अनुसार नीतीश रेड्डी क्वाड्रिसेप्स (जांघ की मांसपेशी) की चोट के कारण आयरलैंड के खिलाफ भारत की टी-20 सीरीज में नहीं खेलेंगे। 23 साल के इस ऑलराउंडर को इंग्लैंड दौरे के लिए वनडे और टी-20 दोनों टीमों में भारत के तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर के तौर पर चुना गया था।

रेड्डी ने हाल ही में अफगानिस्तान के खिलाफ घरेलू सीरीज में दो वनडे मैच खेले थे और धर्मशाला में इस प्रारुप में अपना पहला विकेट लिया था। इसके बाद वे लखनऊ में दूसरा वनडे नहीं खेल पाए थे। कप्तान शुभमन गिल ने टॉस के समय बताया था कि ऑलराउंडर को अपनी जांघ की मांसपेशियों में कुछ दक्कत हो रही है। रेड्डी चेन्नई में आखिरी वनडे के लिए टीम में लौटे, जहां उन्होंने बिना कोई विकेट लिए 42 रन देकर छह ओवर फेंके और उन्हें बल्लेबाजी करने की जरूरत नहीं पड़ी।

यह चोट फिटनेस से जुड़ी उन कई समस्याओं में से एक है जिसने पिछले एक साल में रेड्डी की प्रगति को रोका है। फिटनेस की चिंताओं के कारण आईपीएल 2025 के दौरान उनकी गेंदबाजी काफी सीमित रही थी, जब उन्होंने 13 मैचों में कुल पांच ओवर फेंके थे। बाद में, घुटने की चोट के कारण उन्हें इंग्लैंड के टेस्ट दौरे के बीच से ही बाहर होना पड़ा था।

नेटफ्लिक्स ने लॉन्च किया रियलिटी शो लॉक अप- सोच या सजा, पहले तीन कैदियों का हुआ खुलासा

मुंबई में 22 जून 2026 को नेटफ्लिक्स ने अपने नए हाई-स्टेक्स रियलिटी शो लॉक अप, सोच या सजा भव्य अनावरण किया। इस खास प्रेस कॉन्फ्रेंस में शो की क्रिएटर एकता आर. कपूर, नेटफ्लिक्स इंडिया की वाइस प्रेसिडेंट (कंटेंट) मोनिका शेरगिल, और शो के होस्ट/जेलर रितेश देशमुख व फराह खान मौजूद रहे। प्रोडक्शन कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड और कोलोसियम मीडिया के सहयोग से बने इस शो को लेकर इंडस्ट्री में काफी उत्साह देखा गया। शो का कॉन्सेप्ट और गेम का फॉर्मेटःलॉक अप, सोच या सजा को एक कैप्टिव रियलिटी शो के रूप में डिजाइन किया गया है, जिसमें 14 सेलिब्रिटी प्रतिभागियों को एक जेल जैसे माहौल में रखा जाएगा। यहां प्रतियोगियों को अपनी बुनियादी जरूरतों जैसे खाना और सुविधाओं के लिए टास्क पूरे करके इन-गेम करेंसी कमानी होगी। शो का सबसे अहम हिस्सा सच है, जो हर कंटेस्टेंट की असलियत और रिश्तों को उजागर करेगा, जिससे गेम और भी रणनीतिक और अनिश्चित बन जाएगा।

पहले तीन कैदियों का खुलासाः लॉन्च इवेंट के दौरान शो के पहले तीन कंटेस्टेंट्स के नामों का खुलासा किया गया, जिसने दर्शकों में उत्सुकता बढ़ा दी।

निमार्ताओं और नेटफ्लिक्स की प्रतिक्रिया व रिलीज डेटः एकता कपूर ने कहा कि यह शो सिर्फ मनोरंजन नहीं बल्कि एक सामाजिक प्रयोग है, जिसमें लोगों के फैसले और रिश्तों की सच्चाई सामने आती है। वहीं मोनिका शेरगिल ने इसे एक ऐसे फॉर्मेट के रूप में बताया जिसमें इंसानी व्यवहार, तनाव और रिश्तों की जटिलताएं सामने आती हैं। शो 27 जून से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगा और हर शनिवार से बुधवार रात 8 बजे नए एपिसोड रिलीज होंगे।

रणवीर सिंह ने रचा इतिहास, 325 करोड़ फीस लेकर बने भारत के सबसे महंगे एक्टर, शाहरूख व रजनीकांत को भी छोड़ा पीछे

हाल ही में एक रिपोर्ट के अनुसार रणवीर सिंह ने एक अकेले प्रोजेक्ट से लगभग 325 करोड़ रुपए की कमाई की है। कहा जा रहा है कि यह राशि भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में किसी भी अभिनेता द्वारा एक प्रोजेक्ट के लिए हासिल की गई सबसे बड़ी रकमों में से एक है, जिससे उन्होंने कमाई के मामले में नया रिकॉर्ड कायम कर दिया है।

रणवीर सिंह बने सबसे ज्यादा कमाई करने वाले एक्टर ? : रिपोर्ट्स के अनुसार, रणवीर सिंह को यह बड़ी रकम उनकी फिल्म धुरंधर से प्राप्त हुई है। फिल्म को दो भागों में रिलीज किया गया था और दोनों पार्ट्स को दर्शकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। बॉक्स ऑफिस पर इन फिल्मों ने मिलकर दुनियाभर में करीब 3200 करोड़ रुपये का कारोबार किया, जबकि भारतीय बाजार से ही 1900 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई दर्ज की गई। कहा जा रहा है कि रणवीर ने इस प्रोजेक्ट के लिए पारंपरिक फीस मॉडल की बजाय प्रॉफिट शेयरिंग का रास्ता चुना था। यानी उन्होंने फिल्म के हिस्सेदारी ली। इसके अलावा बजट बढ़ने पर उन्होंने प्रोजेक्ट में आर्थिक निवेश भी किया, जिससे उनकी हिस्सेदारी और भी ज्यादा बढ़ है। थिएटर से होने वाली कमाई के साथ-साथ डिजिटल, सैटेलाइट और म्यूजिक राइट्स से मिले राजस्व को जोड़ने पर रणवीर की कुल कमाई लगभग 325 करोड़ रुपये तक पहुंचने की बात कही जा रही है।

फीफा वर्ल्ड कप में केप वर्डे का उलटफेर

दो बार के चैंपियन उरुग्वे को 2-2 पर रोका, 92 साल में मिस्र की पहली जीत

एजेंसी/ लॉस एंजल्सः फीफा वर्ल्ड कप 2026 में सोमवार को ग्रुप जी और ग्रुप एच के मुकाबले खेले गए। ग्रुप जी में मिस्र ने न्यूजीलैंड को 3-1 से हराकर टूर्नामेंट के इतिहास में अपनी पहली जीत दर्ज की। मिस्र ने अपना पहला वर्ल्ड कप 1934 में खेला था। वहीं, बेल्जियम और ईरान के बीच मैच 0-0 की बराबरी रहा। ग्रुप एच के मैच में केप वर्डे ने शानदार खेल दिखाते हुए दो बार की विश्व चैंपियन उरुग्वे को 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया। इन नतीजों के बाद दोनों ग्रुपों में नॉकआउट दौर में पहुंचने की जंग और रोमांचक हो गई है। केप वर्डे ने पूर्व वर्ल्ड चैंपियन उरुग्वे को 2-2 की बराबरी पर रोककर बड़ा उलटफेर किया।

मियामी में खेले गए मुकाबले में केप वर्डे ने पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए एक अंक हासिल किया। इससे पहले वह स्पेन को भी 0-0 से ड्रॉ पर रोक चुका है। इस ड्रॉ के साथ ही ग्रुप एच में नॉकआउट की रेस बेहद दिलचस्प हो गई है। स्पेन चार अंकों के साथ ग्रुप में टॉप पर है, जबकि उरुग्वे और केप वर्डे दोनों के 2-2 अंक हैं।

अब भारत के लिए हर मैच नॉकआउट की तरह 28 को आस्ट्रेलिया के खिलाफ असली परीक्षा

महिला टी-20 वर्ल्ड कप में अफ्रीका से मिली हार ने बिगाड़ा समीकरण

नई दिल्लीःमहिला टी-20 वर्ल्ड कप में भारत की शुरूआत किसी सपने जैसी हुई थी। पहले पाकिस्तान और फिर नीदरलैंड्स को हराकर हरमनप्रीत कौर की टीम ने सेमीफाइनल की तरफ मजबूत कदम बढ़ा दिए थे, लेकिन दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ मिली छह विकेट की हार ने पूरे समीकरण को उलट-पुलट कर दिया है। अब हालात ऐसे हैं कि ग्रुप-ए में भारत, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में से कोई भी टीम बाहर हो सकती है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रोमांचक मुकाबले में हार सिर्फ दो अंक गंवाने की कहानी नहीं थी, बल्कि इसने भारत की सेमीफाइनल की राह को मुश्किल बना दिया है। अब टीम इंडिया के लिए हर रन और हर विकेट की कीमत बढ़ गई है, क्योंकि टूर्नामेंट का फैसला नेट रन रेट तक पहुंच सकता है। भारत ने तीन मैचों में दो जीत के साथ चार अंक जुटाए हैं और उसका नेट रन रेट +2.511 है, जो फिलहाल काफी मजबूत स्थिति में है। टीम को अभी बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया से भिड़ना है।

बांग्लादेश के खिलाफ भारत को फेवरेट माना जा रहा है। अगर टीम इंडिया यह मैच जीत लेती है, तो उसके छह अंक हो जाएंगे, लेकिन असली परीक्षा 28 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होगी। अगर भारत ऑस्ट्रेलिया को हरा देता है, तो सेमीफाइनल का टिकट लगभग पक्का हो जाएगा, लेकिन अगर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ हार मिलती है और दक्षिण अफ्रीका भी अपने बाकी दोनों मुकाबले जीत जाता है, तो भारत के लिए खतरे की घंटी बज सकती है। ऐसे में तीनों बड़ी टीमें आठ-आठ अंकों पर पहुंच सकती हैं और फैसला नेट रन रेट करेगा। दक्षिण अफ्रीका से हार के बाद भारत के लिए समीकरण काफी साफ है। अगले दोनों मैच जीत लो और किसी गणित की जरूरत नहीं पड़ेगी। खासकर बांग्लादेश के खिलाफ बड़ी जीत भारत के नेट रन रेट को और मजबूत कर सकती है, जो आगे चलकर जीवनदान साबित हो सकता है। हरमनप्रीत कौर की टीम के लिए अब सिर्फ जीत ही नहीं, बल्कि बड़े अंतर से जीत भी महत्वपूर्ण हो गई है।

अफ्रीका की उम्मीदें भी जिंदाः दक्षिण अफ्रीका के सामने अब नीदरलैंड्स और बांग्लादेश जैसी अपेक्षाकृत कमजोर टीमें हैं। अगर वह दोनों मुकाबले जीत लेता है, तो आठ अंकों तक पहुंच सकता है, लेकिन उसके लिए सिर्फ जीत काफी नहीं होगी, बड़े अंतर की जीत भी जरूरी होगी ताकि नेट रन रेट सुधर सके।

ऑस्ट्रेलिया सबसे मजबूतः ग्रुप-ए में सबसे आरामदायक स्थिति ऑस्ट्रेलिया है। टीम लगातार तीन जीत के साथ छह अंक जुटा चुकी है और उसका नेट रन रेट +4.391 है। यही वजह है कि कंगारू टीम फिलहाल सेमीफाइनल की सबसे बड़ी दावेदार नजर आ रही है। हालांकि अगर ऑस्ट्रेलिया अपने आखिरी दो मैचों में लडखड़ा जाती है, तो समीकरण पूरी तरह बदल सकते हैं। ऐसे में 28 जून को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाला मुकाबला ग्रुप-ए का वर्चुअल क्वार्टर फाइनल बन सकता है।

न्यूज ब्रीफ

डंपर सहित सतलुज में जा गिरा लोहे का पुल, टापरी-चोलिंग सडक बंद

रिकांगपिओः किन्नौर जिला में टापरी-चोलिंग के बीच राष्ट्रीय उच्च मार्ग 05 पर सतलुज नदी पर बना लोहे का पुल टूट गया है। साथ ही एक डंपर भी पुल सहित नदी में जा गिरा है। पुल के टूटने से सडक बंद हो गई। अब गाड़ियों को बाया उरनी-चोलिंग मार्ग से भेजा जा रहा है। डंपर में सवार व्यक्ति ठीक बताया जा रहा है। घटना के कारणों अभी पता नहीं लग पाया है। पुलिस घटना स्थल पर पहुंच कर घटना की जांच में लगी है। सभी वाहनों को बाया उरनी चोलिंग सडक मार्ग से भेजा जा रहा है।

भारत से ब्रह्मोस मिसाइल खरीदेगा यूएई, मिडल ईस्ट में तनाव के बीच सुरक्षा चिंता, सैन्य क्षमता मजबूत करने पर विचार

नई दिल्लीः ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ने पाकिस्तान में जमकर तांडव मचाया। दुनियाभर के कई देश नई दिल्ली से इस घातक मिसाइल को खरीदने पर विचार रहे हैं। इस बीच खबर है कि मिडल ईस्ट में जारी संकट के बीच यूएई अब भारत से आकाशतीर एयर डिफेंस सिस्टम और ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने पर विचार कर रहा है। यदि यह सौदा पूरा होता है, तो यूएई ब्रह्मोस मिसाइल खरीदने वाला चौथा विदेशी देश बन सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, नई दिल्ली और आबुधाबी के बीच आकाशतीर एयर डिफेंस सिस्टम और ब्रह्मोस मिसाइलों की डील को लेकर बातचीत शुरूआती चरण में है, लेकिन तेजी से आगे बढ़ रही है। यूएई ने यह फैसला ऐसे समय में लिया है, जब ईरान ने उस पर ताबड़तोड़ हमले किए। ऐसे में मिडल ईस्ट में बढ़ते तनाव और क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं के बीच यूएई अपनी सैन्य क्षमताओं को मजबूत करना चाहता है। हालांकि, यूएई को इसकी बिक्री के लिए रूस की मंजूरी भी जरूरी होगी। एयर डिफेंस सिस्टम आकाशतीर पर भी बातचीत जारीः सूत्रों के मुताबिक, यूएई ने ब्रह्मोस और आकाशतीर समेत भारत के कई रक्षा प्रणालियों में रुचि दिखाई है। आकाशतीर भारतीय सेना और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड (बीईएल) द्वारा विकसित स्वदेशी एयर डिफेंस कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम है, जो हवाई खतरों का पता लगाने और उन्हें निष्क्रिय करने में मदद करता है। जबकि ब्रह्मोस मिसाइल भारत और रूस द्वारा संयुक्त रूप से विकसित की गई है और इसे दुनिया की सबसे तेज परिचालन सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों में गिना जाता है। यह जमीन, समुद्र और हवा तीनों प्लेटफॉर्म से लॉन्च की जा सकती है।

केंद्रीय मंत्री जॉर्ज कुरियन ने दिया इस्तीफा राष्ट्रपति ने तत्काल प्रभाव से किया मंजूर

नई दिल्लीः केंद्र सरकार में अल्पसंख्यक मामलों तथा मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री जॉर्ज कुरियन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सलाह पर उनका इस्तीफा तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया है कि राष्ट्रपति ने केंद्रीय मंत्रिपरिषद से जॉर्ज कुरियन का इस्तीफा मंजूर कर लिया है। इसके साथ ही उनका मंत्री पद का कार्यकाल समाप्त हो गया। 65 वर्षीय जॉर्ज कुरियन अगस्त 2024 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली तीसरी केंद्र सरकार में राज्य मंत्री के रूप में कार्यरत थे। वे भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेताओं में गिने जाते हैं और वर्ष 1980 में पार्टी की स्थापना के समय से ही उससे जुड़े रहे हैं। जानकारी के अनुसार, उनका राज्यसभा कार्यकाल समाप्त हो गया था, जिसके चलते उन्हें मंत्री पद छोड़ना पड़ा। सूत्रों का कहना है कि पार्टी ने उन्हें दोबारा राज्यसभा के लिए नामित नहीं किया, जिसके बाद उन्होंने इस्तीफा दे दिया। राजनीति के अलावा जॉर्ज कुरियन विधि क्षेत्र से भी जुड़े रहे हैं। उन्होंने भारत के सर्वोच्च न्यायालय में अधिवक्ता के रूप में प्रैक्टिस की है। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, उनका जन्म 20 सितंबर 1960 को केरल के कोट्टायम जिले के एट्टुमानूर नगर पालिका क्षेत्र के नाम्बियाकुलम में हुआ था। उन्होंने प्रारंभिक शिक्षा अपने गृह क्षेत्र में प्राप्त की और बाद में कानून में स्नातक तथा स्नातकोत्तर की डिग्री हासिल की। जॉर्ज कुरियन ने 9 जून 2024 को केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में शपथ ली थी। इसके बाद 11 जून 2024 को उन्होंने अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय तथा मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय में अपना कार्यभार संभाला था। केंद्रीय मंत्री बनने से पहले वे राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में भी कार्य कर चुके हैं। इसके अलावा उन्होंने पूर्व रेल राज्य मंत्री ओ. राजगोपाल के विशेष कर्तव्य अधिकारी (ओएसडी) के रूप में भी जिम्मेदारियां निभाई थीं।

लखनऊ अग्निकांड

इमारत के मालिक का निकला आपराधिक रिकार्ड पेपर लीक कांड में भी सामने आया था नाम

लखनऊ : अलीगंज स्थित उस अवैध इमारत में लगी भीषण आग में 15 मासूम बच्चों की मौत के बाद अब इमारत के सह-मालिक सुरेंद्र शुक्ल एक बार फिर चर्चा में हैं। सुरेंद्र शुक्ल का नाम वर्ष 2015 के चर्चित सीपीएमटी पेपर लीक कांड में भी सामने आया था। पेपर लीक मामले में सुरेंद्र शुक्ल के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। हालांकि, बाद में एसटीएफ की जांच में पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिलने पर उन्हें राहत मिल गई थी।

बेटी को परीक्षा में पास कराने के लिए रची गई थी साजिशः सीपीएमटी-2015 पेपर लीक कांड की जांच के दौरान आरोप लगा था कि सुरेंद्र शुक्ल ने अपनी बेटी को परीक्षा में पास कराने के लिए साजिश रची थी। उनकी बेटी फैजाबाद रोड स्थित श्री नारायण

इंस्टीट्यूट में परीक्षा दे रही थी। जांच में सामने आया था कि सुरेंद्र ने श्री नारायण इंस्टीट्यूट के प्रिंसिपल एवं परीक्षा केंद्र अधीक्षक डॉ. निमेष सिंह तथा प्रो. अरुण कुमार शुक्ल से संपर्क कर बेटी को अलग कमरे में बैठाकर परीक्षा दिलाने का अनुरोध किया था। जब यह प्रयास सफल नहीं हुआ तो उन्होंने अपने भरोसेमंद लोगों को परीक्षा कक्ष में इनविजिलेटर नियुक्त कराने की कोशिश की। आरोपों के अनुसार, सुरेंद्र ने अपने संस्थान से अशोक त्रिपाठी और अंकुर श्रीवास्तव को इनविजिलेटर बनाकर परीक्षा केंद्र भेजा था। इसी परीक्षा के दौरान सी सीरीज का प्रश्नपत्र लीक होने की बात सामने आई थी, जिसकी कड़ी रामेश्वरम इंस्टीट्यूट से जुड़ी बताई गई थी।

जांच में आया था नाम, लेकिन नहीं मिले पर्याप्त सबूतः विवेचना के दौरान सुरेंद्र शुक्ल के साथ रामेश्वरम इंस्टीट्यूट के प्रिंसिपल एवं पीआरओ अभय पांडेय का नाम भी प्रकाश में आया था। हालांकि, बाद में जांच अधिकारी ने पूरक आरोपपत्र में केवल सुरेंद्र शुक्ल का नाम शामिल किया। एसटीएफ की आगे की जांच में उनके खिलाफ ठोस साक्ष्य नहीं मिलने के कारण उन्हें राहत मिल गई थी।

छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट का फैसला

उधार दिए पैसे वापस मांगना आत्महत्या को उकसाना नहीं, आरोपी की सजा रद्द

एजेंसी/ बिलासपुरः छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने 12 साल पुराने एक मामले में अहम फैसला सुनाया है कि उधार दिए पैसे को वापस मांगना आत्महत्या के लिए उकसाना नहीं है। कोर्ट ने यह टिप्पणी करते हुए 12 साल पुराने केस में आरोपी की सात साल की सजा रद्द कर दी और उसे आरोपों से बरी कर दिया। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति को दिए गए उधार की रकम वापस मांगना, बार-बार संपर्क

करना या कानूनी कार्रवाई की चेतावनी देना आत्महत्या के लिए उकसाने की श्रेणी में नहीं आता। दरअसल यह मामला धमतरी जिला के बलियारा गांव का है। 17 जून, 2014 को यहां के तत्कालीन सरपंच बलराम मंडावी का शव खेत में मिला था। पुलिस जांच में इस बात का खुलासा हुआ था कि उन्होंने कीटनाशक सेवन करके आत्महत्या की थी। घटना स्थल से मिले सुसाइड नोट में उन्होंने ठेकेदार अशोक कुमार वाधवानी का नाम लिखा था।

बलराम मंडावी के परिजनों का आरोप था कि आरोपी अशोक से पैसे उधार लिए थे। लेकिन वह मूल रकम से कई गुना अधिक राशि मांग रहा था। वह पैसे वापस लेने के लिए लगातार दबाव बना रहा था। इसी प्रताड़ना से परेशान होकर सरपंच ने आत्महत्या कर ली थी। इसके साथ ही परिजनों ने एससी-एसटी एक्ट का भी आरोप लगाया था। मामले की सुनवाई करते हुए धमतरी की विशेष अदालत ने आरोपी अशोक वाधवानी को एससी-एसटी एक्ट के आरोपों से बरी किया था, लेकिन आत्महत्या के उकसाने के आरोप में दोषी माना था और सात साल की सजा सुनाई थी।

उद्धव के बागी सांसद एकनाथ शिंदे की शिवसेना में

मुंबईः शिवसेना (यूबीटी) के सभी छह बागी सांसद महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली सत्तारूढ़ शिवसेना में शामिल हो गए हैं। इन बागी सांसदों ने सोमवार को उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के साथ मंच साझा किया। सांसद संजय हरिभाऊ जाधव, भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे, ओमप्रकाश भूपालसिंह निंबालकर, संजय दिना पाटिल, संजय उत्तमराव देशमुख और नागेश बापूराव पाटिल अष्टिकर शिंदे के साथ दिखाई दिए। इस घटना को शिवसेना यूबीटी में बड़ी टूट माना जा रहा है। इस दौरान एकनाथ शिंदे ने कहा कि छह सांसद हमारे साथ शामिल हुए हैं। संजय हरिभाऊ जाधव, भाऊसाहेब राजाराम वाकचौरे, ओमप्रकाश भूपालसिंह निंबालकर, संजय दिना पाटिल, संजय उत्तमराव देशमुख और नागेश बापुराव पाटिल अष्टिकर।

इस तरह हमारे साथ यहां तीन संजय हैं। हमारे साथ यहां एक और संजय राठोड (विधायक) भी मौजूद हैं। जब हमारे पास संजय हैं, तो किसी दूसरे संजय की बात करने की जरूरत नहीं है और आप जानते हैं कि मैं किसकी बात कर रहा हूं। एकनाथ शिंदे ने कहा कि हम इन सभी छह कट्टर शिवसैनिक सांसदों का बालासाहेब ठाकरे और आनंद दिघे वाली असली शिवसेना में स्वागत करते हैं। छह टाइगर यहां पर हैं।

राउत का हमला, शिंदे ने छह गद्दार सांसदों को दिया जन्मः शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने महाराष्ट्र के डिप्टी चीफ मिनिस्टर एकनाथ शिंदे पर तंज कसते हुए कहा कि शिंदे प्रेग्नेंट हैं और उन्होंने छह गद्दार सांसदों को जन्म दिया है। राउत ने सोमवार को अपनी पार्टी के बागी विधायकों, जिनमें ओमराजे निंबालकर भी शामिल हैं, पर निशाना साधा और उन्हें गद्दार कहा। उन्होंने कहा कि शिवसेना को तोड़ना महाराष्ट्र को तोड़ने जैसा है। प्रेस कान्फ्रेंस में उन्होंने धाराशिव के सांसद ओमराजे निंबालकर पर कुख्यात गद्दार होने का आरोप लगाया और कहा कि यूबीटी सेना चीफ उद्धव ठाकरे उस आदमी को जानते थे, जिसने कथित तौर पर निंबालकर को 15 करोड़ रुपए दिए थे। राउत ने कहा कि गद्दारों की कोई आइडियोलॉजी नहीं होती।

आतंकवादियों को पनाह देने का लंबा इतिहास,जेडी वेंस के पाकिस्तान से प्यार बयान पर बरसे अमेरिकी सांसद

वॉशिंगटन : अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के पाकिस्तान के प्रति सकारात्मक टिप्पणी करने के बाद दो रिपब्लिकन सीनेटरों ने पाकिस्तान और कतर की भूमिका पर गंभीर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दोनों देशों पर आतंकवादियों को पनाह देने और चरमपंथी गतिविधियों को बढ़ावा देने के आरोप लगाए हैं।

फ्लोरिडा से रिपब्लिकन सीनेटर रिक स्कॉट ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि अब यह स्पष्ट हो जाना चाहिए कि अमेरिका के वास्तविक सहयोगी कौन हैं। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान और कतर का आतंकवादियों को शरण देने का लंबा इतिहास रहा है और वे क्षेत्र में स्थायी शांति स्थापित करने के बजाय ईरान के लंबे समय से चले आ रहे आतंकी नेटवर्क को बढ़ावा देने में अधिक रुचि रखते हैं।

रिक स्कॉट की यह टिप्पणी स्विट्जरलैंड में जेडी. वेंस के उस बयान के बाद आई, जिसमें उन्होंने कहा था, हम पाकिस्तान से प्यार करते हैं। वेंस वहां पाकिस्तान और कतर के प्रतिनिधियों के साथ ईरान से जुड़े संभावित शांति समझौते के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा कर रहे थे। स्कॉट ने कहा कि अभी भी ऐसे समझौते की संभावना बनी हुई है जिससे सभी पक्षों को लाभ मिल सकता है, लेकिन यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि ईरान किसी भी परिस्थिति में परमाणु हथियार विकसित करने की दिशा में आगे न बढ़ सके।

वहीं, मोंटाना के रिपब्लिकन सीनेटर टिम शीही ने भी पाकिस्तान की भूमिका पर सवाल उठाए। फॉक्स न्यूज को दिए एक साक्षात्कार में उन्होंने अल-कायदा सरगना ओसामा बिन लादेन को वर्षों तक छिपाए रखने के मामले का जिक्र करते हुए कहा कि दुनिया को पाकिस्तान की उस भूमिका को नहीं भूलना चाहिए।

शीही ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई ने अतीत में विभिन्न कट्टरपंथी तत्वों को समर्थन दिया और अमेरिका विरोधी गतिविधियों को बढ़ावा दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे रिकॉर्ड वाले देश को पूरी तरह निष्पक्ष मध्यस्थ मानना कठिन है। सीनेटर ने सुझाव दिया कि यदि पाकिस्तान और कतर को वार्ता प्रक्रिया में शामिल किया जा रहा है तो अमेरिका को अपने पारंपरिक सहयोगियों संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), इजरायल और सऊदी अरब को भी बातचीत का हिस्सा बनाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मध्य पूर्व में यूएई, इजरायल और सऊदी अरब अमेरिका के सबसे भरोसेमंद साझेदार हैं और क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका है। शीही ने यह भी आरोप लगाया कि कतर लंबे समय से कुछ आतंकी संगठनों के लिए वित्तीय नेटवर्क का केंद्र रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि अमेरिका को अपने पारंपरिक सहयोगियों के साथ मजबूती से खड़ा रहना चाहिए, क्योंकि भविष्य में भी यही देश क्षेत्र में उसके सबसे महत्वपूर्ण साझेदार बने रहेंगे।

चांदी की चमक पड़ी फीकी, 7000 रुपये तक गिरे दाम, सोने में कीमतों में भी हुई बड़ी गिरावट

नई दिल्लीः सोने और चांदी की कीमतों में मंगलवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसी) पर कारोबार शुरू होते ही चांदी की कीमत में करीब 7,000 रुपये प्रति किलोग्राम की गिरावट देखी गई, जबकि सोना भी तेज दबाव में रहा। यह गिरावट ऐसे समय में आई है, जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी कीमती धातुओं की कीमतों में कमजोरी बनी हुई है और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता का माहौल है।

एमसीएक्स पर 10 ग्राम सोने का भाव शुरूआती कारोबार में 1,600 रुपये से अधिक टूटकर 1,46,528 रुपये तक पहुंच गया। हालांकि बाद में इसमें कुछ सुधार देखने को मिला और यह लगभग 1,250 रुपये की गिरावट के साथ कारोबार करता रहा।

वहीं, चांदी की कीमत में भारी गिरावट दर्ज की गई। एमसीएक्स पर फ्यूचर सिल्वर का भाव 7,000 रुपये या 3 प्रतिशत से अधिक टूटकर 2,27,125 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया। बाद में इसमें भी मामूली रिकवरी हुई और यह करीब 6,000 रुपये की गिरावट के साथ कारोबार करता रहा।

विशेषज्ञों के अनुसार सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट के पीछे कई कारण हैं। इनमें अमेरिकी डॉलर की मजबूती, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में बढ़ोतरी और निवेशकों की मुनाफावसूली प्रमुख हैं। इसके अलावा अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में कटौती की संभावनाएं कम होने से भी बुलियन बाजार पर दबाव बढ़ा है। वैश्विक बाजार में भी सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट देखने को मिली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 46.45 डॉलर या 1.11 प्रतिशत टूटकर 4,156.25 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। वहीं चांदी 2.645 डॉलर या 4.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 62.938 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

कमोडिटी बाजार के साथ-साथ सरार्फा बाजार में भी नरमी का रुख देखने को मिला। दिल्ली में सोने का भाव 1,49,070 रुपये प्रति 10 ग्राम और चांदी का भाव 2,50,000 रुपये प्रति किलोग्राम दर्ज किया गया। उधर, घरेलू शेयर बाजार में भी दबाव का माहौल रहा। कारोबार के दौरान निफ्टी करीब 20 अंक नीचे रहा, जबकि सेंसेक्स में 100 अंकों से अधिक की गिरावट दर्ज की गई।

भारत के विकास में कृषि और टेक्नोलॉजी की होगी अहम भूमिका : एक्सपर्ट्स

डालियान (चीन) : भारत आने वाले समय में भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती हुई अर्थव्यवस्था बना रहेगा और इसके विकास में कृषि और टेक्नोलॉजी क्षेत्र अहम भूमिका निभाएंगे। यह बयान एक्सपर्ट्स की ओर से मंगलवार को वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की एनुअल न्यू चैंपियंस मीटिंग या समर दावोस में दिया गया।

आईएएनएस के साथ बातचीत में, वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम के मैनेजिंग डायरेक्टर मिरेक डुसेक ने भारत के आर्थिक विकास अनुमानों की संभावनाओं पर भरोसा जताया और देश को दुनिया की सबसे महत्वपूर्ण और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बताया।

डुसेक ने कहा, भारत वैश्विक विकास दर में अहम योगदान दे रहा है और हमें उम्मीद है कि आने वाले सालों में भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी

से बढ़ती रहेगी।

उन्होंने कहा कि समर दावोस बैठक ने दुनिया भर के इनोवेटर्स, टेक्नोलॉजी लीडर्स, नीति निर्माताओं और बिजनेस एग्जीक्यूटिव्स को एक साथ लाया है, ताकि सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके और वैश्विक चुनौतियों का समाधान ढूंढा जा सके।

इसके अलावा, डुसेक ने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एडवांस्ड मैन्युफैक्चरिंग और डिजिटल प्लेटफॉर्म जैसी उभरती हुई टेक्नोलॉजी में प्रोडक्टिविटी बढ़ाने और वैश्विक आर्थिक विकास को सहारा देने की क्षमता है।

इसके अलावा, आईएएनएस से बातचीत में पद्म श्री से सम्मानित और ओहायो स्टेट यूनिवर्सिटी में मृदा विज्ञान के प्रतिष्ठित प्रोफेसर, प्रो. रतन लाल ने ??कहा, भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है और इस विकास में कृषि की अहम भूमिका होगी।

इसके अलावा, उन्होंने खेती की पैदावार बढ़ाने के लिए मिट्टी की सेहत सुधारने और जमीन के टिकाऊ प्रबंधन के तरीकों को बढ़ावा देने की अहमियत पर जोर दिया।

लाल ने भारतीय खेती में बदलाव लाने के लिए नई उभरती टेक्नोलॉजी की संभावनाओं के बारे में भी बताया।

उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल टूल्स किसानों के लिए मिट्टी की जांच को तेज, सस्ता और ज्यादा आसान बना सकते हैं, जिससे किसान सही जानकारी के आधार पर फैसले ले सकें और फसल की पैदावार बढ़ा सकें। समर दावोस 23 जून को शुरू हुआ और 25 जून को खत्म होगा। इसमें बिजनेस, सरकार, एकेडेमिया और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के ग्लोबल लीडर्स इनोवेशन, एंटरप्रेन्योरशिप और आर्थिक विकास के भविष्य पर चर्चा करने के लिए एक साथ एक मंच पर आएंगे।

न्यूज IN ब्रीफ

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी पहुंचे देवघर हुआ स्वागत

बिनय मिश्रा : मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार का देवघर आगमन पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह उपायुक्त सौरभ कुमार भुवानिया द्वारा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी रवि कुमार तथा उप निर्वाचन पदाधिकारी सहित जिला प्रशासन के कई अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

निःशुल्क चिकित्सा शिविर में गठिया व जोड़ों के दर्द के मरीजों का होगा उपचार

साहिबगंज : शहर के प्रसिद्ध पोद्दार होमियो क्लिनिक की ओर से जरूरतमंद मरीजों के लिए 25 जून को एक दिवसीय निःशुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का आयोजन किया जाएगा।शिविर का उद्देश्य गठिया, जोड़ों के दर्द सहित विभिन्न अस्थि एवं नस संबंधी समस्याओं से पीड़ित लोगों को विशेषज्ञ परामर्श एवं उपचार कराना है।क्लिनिक प्रबंधन के अनुसार शिविर में गठिया, साइटिका,कमर दर्द,घुटना दर्द,सर्वाइकल स्पॉन्डिलाइटिस,गर्दन दर्द,पीठ दर्द तथा जोड़ों में दर्द एवं सूजन से पीड़ित मरीजों की जांच की जाएगी।इस दौरान विशेषज्ञ चिकित्सक मरीजों को होम्योपैथिक चिकित्सा पद्धति के माध्यम से उचित परामर्श एवं उपचार संबंधी मार्गदर्शन देंगे।शिविर सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक स्थानीय मछुआ सोसाइटी में होगा। शिविर में डॉ एसएन प्रसाद एवं डॉ उमा कुमारी मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण करेंगे।शिविर में शामिल होने के लिए पूर्व पंजीकरण अनिवार्य रखा गया है। इच्छुक मरीज 23 एवं 24 जून की सुबह 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक चैती दुर्गा चौक स्थित पोद्दार होमियो क्लिनिक में अपना पंजीकरण करा सकते हैं।क्लिनिक प्रबंधन ने जिले के गठिया,जोड़ों के दर्द एवं अन्य संबंधित समस्याओं से पीड़ित मरीजों से समय पर पंजीकरण कराकर इस निःशुल्क चिकित्सा एवं परामर्श शिविर का लाभ उठाने की अपील की है।

अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस पर पलामू में 5 किमी मैराथन दौड़ का हुआ आयोजन

मेदिनीनगर : अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक दिवस के अवसर पर उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने किया नेतृत्व ,मंगलवार सुबह पलामू जिला प्रशासन द्वारा 5 किलोमीटर मैराथन दौड़ का आयोजन किया गया।मैराथन दौड़ का शुभारंभ जिला समाहरणालय परिसर, पलामू से हुआ तथा इसका समापन जीएलए कॉलेज मैदान, मेदिनीनगर में किया गया। इस दौरान उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी दिलीप प्रताप सिंह शेखावत स्वयं दौड़ में शामिल हुए और प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। दौड़ में जिले के विभिन्न विभागों के पदाधिकारियों, कर्मियों, स्कूल-कॉलेज के छात्र-छात्राओं तथा खेल प्रेमियों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।

कार्यक्रम का उद्देश्य खेल, स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति लोगों को जागरूक करना तथा ओलंपिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाना था। इस वर्ष ओलंपिक दिवस का वैश्विक संदेश रखा गया है, जो लोगों को सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करता है।

दौड़ के समापन के बाद उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में प्रथम से लेकर दसवें स्थान तक आने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार एवं प्रशस्ति देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर उपायुक्त दिलीप प्रताप सिंह शेखावत ने उपस्थित प्रतिभागियों एवं युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि खेल जीवन में सफलता प्राप्त करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को अनुशासन, समर्पण और जुनून के मूल सिद्धांतों को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। यही गुण किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने की आधारशिला हैं। उन्होंने युवाओं को नियमित रूप से खेल गतिविधियों में भाग लेने तथा स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया।

गोड्डा में खाद्य सुरक्षा योजनाओं की समीक्षा, उपायुक्त ने दिए सख्त निर्देश

गोड्डा : जिला दंडाधिकारी-सह-उपायुक्त लोकेश मिश्रा की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामलों विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम , झारखंड राज्य खाद्य सुरक्षा योजना (खरत्र्रर), पीवीटीजी लाभुकों के खाद्यान्न वितरण, धान अधिप्राप्ति, मुख्यमंत्री दाल-भात योजना समेत कई जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गई। उपायुक्त ने जून एवं जुलाई 2026 के खाद्यान्न उठाव, जिला भंडारण केंद्रों तक आपूर्ति और लाभुकों के बीच समयबद्ध वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि पात्र लाभुकों तक खाद्यान्न पहुंचाने में किसी प्रकार की देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (ढशळऋ) परिवारों के बीच खाद्यान्न वितरण की स्थिति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने निर्धारित मात्रा में समय पर खाद्यान्न उपलब्ध कराने पर जोर दिया। वहीं धान अधिप्राप्ति और कस्टम मिल्ड राइस (उटफ) की समीक्षा के दौरान संबंधित एजेंसियों को लक्ष्य के अनुरूप कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। सोना सोबरन धोती-साड़ी योजना, नमक वितरण योजना और चना दाल वितरण योजना की प्रगति की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने वितरण प्रक्रिया में पूर्ण पारदर्शिता और नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने को कहा। राइटफुल टार्गेटिंग डैशबोर्ड के तहत अपात्र लाभुकों के नाम विलोपन की समीक्षा करते हुए उन्होंने पात्र लाभुकों के हितों की रक्षा के साथ निर्धारित मानकों के अनुरूप कार्रवाई करने का निर्देश दिया। बैठक में ई-केवाईसी, आधार सीडिंग और मोबाइल नंबर सीडिंग की प्रगति की भी समीक्षा की गई। उपायुक्त ने शत-प्रतिशत ई-केवाईसी पूर्ण करने के लिए विशेष अभियान चलाने तथा लंबित मामलों का शीघ्र निष्पादन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। पीजीएमएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों की समीक्षा करते हुए उपायुक्त ने सभी लंबित मामलों का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निपटारा करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि खाद्य सुरक्षा और सार्वजनिक वितरण प्रणाली सीधे गरीब एवं जरूरतमंद परिवारों से जुड़ी है, इसलिए सभी अधिकारी एवं जन वितरण प्रणाली विक्रेता जवाबदेही और संवेदनशीलता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करें। बैठक में जिला आपूर्ति पदाधिकारी निशा तिर्की, राज्य खाद्य निगम के प्रतिनिधि, प्रखंड आपूर्ति पदाधिकारी तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

पुरातात्विक धरोहर बेनीसागर एवं बेलमा डैम का विधायक एवं उपायुक्त ने किया निरीक्षण

पर्यटक सुविधाओं के विस्तार एवं आधारभूत संरचनाओं के सुदृढ़ीकरण का दिया निर्देश

संवाददाता

चाईबासा: पश्चिमी सिंहभूम जिला अंतर्गत मंझगांव प्रखंड क्षेत्र स्थित ऐतिहासिक एवं पर्यटन महत्व के स्थलों बेनीसागर पुरातत्व स्थल तथा बेलमा डैम का मंझगांव के माननीय विधायक श्री नीरल पूर्ति एवं उपायुक्त श्री मनीष कुमार द्वारा संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया। इस अवसर पर जिला परिषद सदस्य श्री लंकेश्वर तमसोई, प्रखंड प्रमुख श्रीमती सरस्वती चातर, प्रखंड विकास पदाधिकारी, अंचल अधिकारी सहित अन्य पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

निरीक्षण के दौरान बेलमा डैम में पर्यटकों की सुविधा एवं क्षेत्र के पर्यटन विकास के उद्देश्य से संचालित विभिन्न आधारभूत संरचना निर्माण कार्यों का अवलोकन किया गया। माननीय विधायक एवं उपायुक्त ने डैम क्षेत्र में निमार्णाधीन पुलिया, सड़क, सीढ़ी सहित अन्य विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्धारित समयावधि में गुणवत्तापूर्ण ढंग से कार्य पूर्ण कराने का निर्देश दिया। भ्रमण के क्रम में डैम में केज कल्चर के माध्यम से संचालित मत्स्य पालन गतिविधियों का भी अवलोकन किया गया। इस पहल को स्थानीय आजीविका संवर्धन एवं मत्स्य उत्पादन वृद्धि की दिशा में महत्वपूर्ण बताते हुए इसे और प्रभावी बनाने पर बल दिया गया। साथ ही डैम में वर्षभर पर्याप्त जल संचयन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जल निकासी द्वार की मरम्मत एवं रखरखाव हेतु आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को दिया गया।

इसके उपरांत माननीय विधायक एवं उपायुक्त ने जिले की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक बेनीसागर पुरातत्व स्थल का भ्रमण किया। उन्होंने स्थल पर उपलब्ध पुरातात्विक अवशेषों, प्राचीन संरचनाओं एवं पौराणिक महत्व से जुड़े स्थलों का अवलोकन किया। भ्रमण के दौरान बेनीसागर को पर्यटन की दृष्टि से और अधिक विकसित करने तथा यहां आने वाले पर्यटकों के लिए आवश्यक सुविधाओं के विस्तार पर विशेष चर्चा की गई।

इस अवसर पर माननीय विधायक श्री नीरल पूर्ति ने कहा कि बेनीसागर एवं बेलमा डैम जैसे स्थल क्षेत्र की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं प्राकृतिक धरोहर हैं।

4 जुलाई तक मांगें पूरी नहीं हुई तो हैदरनगर स्टेशन पर होगा आंदोलन : समिति

मेट्रोरेज संवाददाता

हैदरनगर : क्षेत्र के रेल यात्रियों की वर्षों पुरानी समस्याओं के समाधान को लेकर रेल उपभोक्ता समिति, हैदरनगर ने रेल प्रशासन के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान किया है। समिति ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि 4 जुलाई 2026 तक उनकी 9 सूत्री मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं की गई, तो हैदरनगर रेलवे स्टेशन पर 5 जुलाई को चक्का जाम एवं धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

समिति के संयोजक प्रेमतोष सिंह एवं अध्यक्ष गुप्तेश्वर पाण्डेय के नेतृत्व में पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक, मंडल रेल प्रबंधक धनबाद, स्टेशन प्रबंधक हैदरनगर सहित संबंधित अधिकारियों को ज्ञापन भेजा गया है। ज्ञापन में हैदरनगरझ्रजपला रेलखंड की बदहाल यात्री सुविधाओं, रेलवे फाटकों पर लगने वाले जाम और प्रमुख ट्रेनों के ठहराव की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया गया है।समिति ने कहा है कि हैदरनगर और जपला स्टेशन के बीच स्थित रेलवे फाटक संख्या 50 और 51 पर आए दिन लंबा जाम लगने से आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। फाटक बंद रहने के दौरान स्कूली बच्चों, मरीजों, किसानों और दैनिक यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ता है, जिससे जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

ज्ञापन में दोनों रेलवे फाटकों पर सड़क ओवरब्रिज (आरओबी) अथवा लिमिटेड हाइट सबवे (एलएचएस) के निर्माण की मांग की गई है। समिति का कहना है कि इन फाटकों पर लगातार बढ़ते यातायात दबाव के कारण दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है और सुरक्षित आवागमन के लिए स्थायी समाधान आवश्यक है।रेल उपभोक्ता समिति ने ट्रेन संख्या 12877/12878 गरीब रथ एक्सप्रेस का हैदरनगर स्टेशन पर ठहराव सुनिश्चित करने की मांग दोहराते हुए कहा कि पलामू जिले के हजारों यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा के लिए अन्य स्टेशनों पर निर्भर रहना पड़ता है। इसके अलावा पैसेंजर ट्रेनों के नियमित परिचालन, समय-सारिणी में सुधार, स्टेशन पर शुद्ध पेयजल, यात्री सुविधाओं के विस्तार तथा स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप रेल सेवाओं के संचालन की मांग भी की गई है।

समिति ने आरोप लगाया कि रेल प्रशासन की उपेक्षा के कारण क्षेत्र के यात्रियों को प्रतिदिन अनेक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। यदि समय रहते समस्याओं का समाधान नहीं किया गया, तो यात्रियों के हित में व्यापक जनआंदोलन शुरू किया जाएगा, जिसकी पूरी जिम्मेदारी रेलवे प्रशासन की होगी।समिति ने उम्मीद जताई है कि रेल प्रशासन यात्रियों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र सकारात्मक पहल करेगा, ताकि क्षेत्र के लोगों को सुरक्षित, सुगम और बेहतर रेल सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

एक सप्ताह के लिए बेशहारा बनी बीडी रेलखंड की पटरियां, हजारों यात्री बेहाल

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : बरवाडीह- डेहरी ऑन सोन (बीडी) रेलखंड पर नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण आज से अगले पांच-छह दिनों तक सभी यात्री ट्रेनों की आवाजाही पूरी तरह बंद हो गई है। इसके साथ ही पलामू जिले का उत्तरी क्षेत्र, हुसैनाबाद, हैदरनगर, मोहम्मदगंज,ऊंटारी रोड और आसपास के दर्जनों गांव– व्यवहारिक रूप से जिला मुख्यालय मेदिनीनगर तथा प्रमंडलीय मुख्यालय से कट गया है। हजारों यात्रियों की दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो गई है, लेकिन हैरत की बात यह है कि इस गंभीर संकट पर न तो रेलवे प्रशासन कोई वैकल्पिक व्यवस्था कर पाया और न ही जनप्रतिनिधियों की ओर से कोई ठोस पहल दिखाई दे रही है।

रेलवे के एक प्रशासनिक निर्णय ने पूरे क्षेत्र को ऐसी स्थिति में ला खड़ा किया है, जहां लोगों के सामने रोजमर्रा की आवश्यकताओं से लेकर सामाजिक और कानूनी दायित्वों तक का संकट खड़ा हो गया है। किसी के घर शादी है, किसी को कोर्ट में पेशी पर जाना है, कोई नौकरी के लिए बाहर निकलना चाहता है तो कोई लंबी यात्रा कर अपने घर लौट रहा है। बाहर से आने वाले यात्री डेहरी ऑन सोन स्टेशन पर उतरकर अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए भटक रहे हैं। वहीं स्थानीय लोग सड़क मार्ग की महंगी और सीमित सुविधाओं के भरोसे रहने को मजबूर हैं।

स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जपला से डालटनगंज तक बस किराया 150 रुपये तक पहुंच चुका है, जो सामान्य रेल किराये की तुलना में कई गुना अधिक है। बसों की संख्या भी यात्रियों की जरूरत के अनुरूप नहीं है। नतीजा यह है कि यात्रियों को घंटों इंतजार करना पड़ रहा है और अतिरिक्त आर्थिक बोझ भी झेलना पड़ रहा है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब समाधान मौजूद था तो उस पर पहल क्यों नहीं हुई? स्थानीय लोगों का सुझाव था कि बरवाडीह से डेहरी ऑन सोन के बीच चलने वाली शटल और जीडीआर ट्रेनों का अस्थायी विस्तार डालटनगंज तक कर दिया जाए। इससे रद्द ट्रेनों से प्रभावित हजारों यात्रियों को राहत मिल सकती थी और उत्तरी पलामू का रेल संपर्क भी पूरी तरह नहीं टूटता। लेकिन न तो रेलवे प्रशासन ने इस विकल्प पर गंभीरता दिखाई और न ही क्षेत्र के प्रभावशाली जनप्रतिनिधियों ने इस मांग को मजबूती से उठाया।क्या यही है मोदी के 12 साल, बेमिसाल?

क्षेत्र के लोग यह प्रश्न पूछ रहे हैं कि चुनाव के समय जनता की हर समस्या का समाधान करने का दावा करने वाले खादीधारी नेता और स्वयंभू समाजसेवी आखिर इस संकट की घड़ी में कहां हैं? हजारों लोग परेशानी झेल रहे हैं, लेकिन किसी की आवाज दिल्ली, रांची या रेल मुख्यालय तक पहुंचती दिखाई नहीं दे रही। जनता को यह महसूस होने लगा है कि चुनावी मंचों पर किए गए वादे और जनता की वास्तविक समस्याओं के बीच बहुत बड़ा अंतर है।

लोगों का कहना है कि वे पांच-छह दिन की परेशानी भी झेल लेंगे, क्योंकि मजबूरी में जनता हर कठिनाई सहना सीख चुकी है। लेकिन उनके मन में यह कसक जरूर रहेगी कि जब बीडी रेलखंड एक सप्ताह के लिए ह्यविधवा लाइनह्न बन गया था, तब उसके विलाप को सुनने और आंसू पोंछने वाला कोई क्यों नहीं था? आखिर जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की संवेदनाएं किस मोड़ पर जाकर थम गईं?

अब क्षेत्र की निगाहें पलामू के सांसद वी.डी. राम और रेलवे प्रशासन पर टिकी हैं। लोगों की मांग है कि तत्काल प्रभाव से वैकल्पिक रेल सेवा, शटल ट्रेन विस्तार अथवा विशेष लोकल ट्रेनों की व्यवस्था की जाए, ताकि हजारों यात्रियों को राहत मिल सके। साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाए कि जब व्यावहारिक विकल्प मौजूद था तो उसे लागू करने की पहल क्यों नहीं की गई।जनता आज केवल सुविधा नहीं मांग रही, बल्कि जवाब भी मांग रही है। सवाल सीधा है कि पूरा उत्तरी पलामू रेल संपर्क से कट रहा था, तब जनता की आवाज उठाने वाले लोग आखिर मौन क्यों थे? यही वह यक्ष प्रश्न है जिसका उत्तर क्षेत्र की जनता जानना चाहती है।

दो बाइक की आमने सामने टक्कर से भीषण सड़क हादसा एक युवक की मौत

संवाददाता

साहिबगंज/बरहरवा : थाना क्षेत्र अंतर्गत बरहरवा - फरक्का मुख्य पथ पर रविवार की रात लगभग 8:00 पी एम बजे दो बाइक की आमने सामने टक्कर से भीषण सड़क हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई।जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए है।मिली जानकारी के अनुसार उधवा पहाड़गांव निवासी असरफ शेख उम्र 18 वर्ष पिता हाकिम शेख और उधवा बाकईटोला निवासी शाहिद शेख उम्र 22 वर्ष पिता खलील शेख तथा सनाउल शेख उम्र 35 वर्ष पिता उजिर शेख काले रंग की पल्सर बाइक पंजीकरण संख्या जेएच18क्यु 1802 पर सवार होकर बरहरवा की ओर जा रहे थे।इस दौरान बरहरवा थाना क्षेत्र के केचुआ पुल के पास विपरीत दिशा से आ रही एक बाइक से उनकी जोरदार टक्कर हो गई।इस दुर्घटना में सनाउल शेख 35 की मौके पर ही मौत हो गई।जबकि असरफ शेख और शाहिद शेख गंभीर रूप से घायल हो गए।घायल युवक ने बताया कि जिस बाइक से टक्कर हुई उस बाइक पर बाइक सवार के साथ एक महिला भी सवार थी जिसे हल्की चोटें भी आई है।वो लोग मौके से तुरंत फरार हो गए।घटना सूचना मिलने पर बरहरवा थाना पुलिस दल बल के साथ मौके पर पहुँची और घायलों को बरहरवा सीएचसी ले जाया गया।जहाँ से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए रेफर कर दिया गया।वहीं मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए राजमहल भेज दिया गया है। पुलिस दुर्घटनाग्रस्त बाइक को कब्जे में लेकर मामले की जांच में जुट गई।

प्रशिक्षण में शामिल हुए नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ

साहिबगंज : झारखंड सरकार के नगर विकास एवं आवास विभाग राज्य शहरी विकास अभिकरण के बैनर तले रांची के कृष्ण लोक प्रशासन संस्थान में अमृत 2.0 के तहत दो दिवसीय आवासीय कार्यशाला हुई।जिसमें राज्य के अन्य निकायों के अध्यक्ष के साथ-साथ साहिबगंज के नगर परिषद अध्यक्ष रामनाथ पासवान ने भी शिकरत की।रामनाथ पासवान ने बताया कि पहले दिन अमृत 2.0 के तहत शहर के घरों में नल से साफ पानी, हर घर से गंदा पानी निकालने का पक्का इंतजाम,तालाब व कुआं बचाना एवं गंदे पानी को साफ करके दोबारा इस्तेमाल करने जैसे विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई।

दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला में शामिल हुए नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव एवं उपाध्यक्ष विजय साव

संवाददाता

चक्रधरपुर : झारखंड के सभी नगर परिषद एवं नगर पंचायतों के अध्यक्ष एवं उपाध्यक्षों के लिए आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम में चक्रधरपुर नगर परिषद के अध्यक्ष सन्नी उरांव एवं उपाध्यक्ष विजय साव ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्देश्य नगर निकायों के जनप्रतिनिधियों को प्रशासनिक कार्यों, योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन तथा शहरी विकास से संबंधित विभिन्न विषयों की जानकारी प्रदान करना था।

कार्यक्रम के दौरान राज्यभर से पहुंचे अध्यक्षों एवं उपाध्यक्षों के साथ विकासोन्मुखी विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। साथ ही विभागीय अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने नगर निकायों के अधिकार, कर्तव्य, वित्तीय प्रबंधन, जनकल्याणकारी योजनाओं के संचालन तथा नागरिक सुविधाओं के बेहतर प्रबंधन को लेकर मार्गदर्शन दिया।

नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव ने कहा कि प्रशिक्षण से प्राप्त अनुभव एवं जानकारियों का उपयोग चक्रधरपुर नगर परिषद क्षेत्र के समग्र विकास एवं जनहित के कार्यों को गति देने में किया जाएगा। वहीं उपाध्यक्ष विजय साव ने कहा कि प्रशिक्षण कार्यक्रम से नगर निकायों के कार्यों को अधिक पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से संचालित करने में सहायता मिलेगी।

कार्यशाला में नगर निकायों के सशक्तीकरण, सुशासन एवं नागरिक सुविधाओं के विस्तार को लेकर विभिन्न सत्र आयोजित किए गए, जिनमें प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता निभाई। चक्रधरपुर नगर परिषद के दोनों जनप्रतिनिधियों ने कार्यक्रम को ज्ञानवर्धक एवं उपयोगी बताया।